



संक्षिप्त समाचार

कोल इंडिया ने रोका महंगाई का असर

नई दिल्ली। भारतीय कॉरपोरेट और वित्तीय क्षेत्र में महत्वपूर्ण घटनाक्रम दर्ज किए गए हैं, जो ऊर्जा आपूर्ति, नकदी प्रबंधन और कॉर्पोरेट नेतृत्व की दिशा तय करते हैं। एक तरफ जहां देश की सबसे बड़ी कोयला उत्पादक कंपनी कोल इंडिया (सीआईएल) ने बढ़ती लागत का बोझ खुद उठाकर उपभोक्ताओं को बड़ी राहत दी है, वहीं भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकिंग सिस्टम में अतिरिक्त नकदी के प्रबंधन के लिए बड़े कदम की घोषणा की है। इसके अलावा, महारथ कंपनी भारत पेट्रोलियम (बीपीसीएल) को संयोज खन्ना के रूप में नया अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) मिला है।

अब पेंशन की बचत से भरें अस्पताल का बिल नई दिल्ली। एक वक्त था जब पेंशन सिर्फ रिटायरमेंट के बाद के खर्चों के लिए हुआ करती थी, लेकिन वक्त के साथ इसमें भी कई बदलाव हो रहे हैं। अब पेंशन अब सिर्फ बुढ़ापे की सुरक्षा तक सीमित नहीं रही, बल्कि इलाज का सहारा भी बन सकती है। पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी की नई पहल एनपीएस स्वास्थ्य इस सोच को हकीकत में बदल रही है। अब आपकी रिटायरमेंट सेविंग्स जरूरत पड़ने पर डॉक्टर, दवा और अस्पताल के खर्च में काम आ सकती है।

टैक्स विवाद सुलझाने मेंआईटी डिपार्टमेंट की बड़ी छलांग

नई दिल्ली। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने पिछले वित्त वर्ष में टैक्स विवादों को सुलझाने में बड़ी तेजी दिखाई है। डिपार्टमेंट ने कुल 2,22,540 अपीलों का निपटारा किया, जो पिछले साल की तुलना में करीब 29 प्रतिशत ज्यादा है। पिछले फिस्कल में यह संख्या 1,72,361 रही थी। सीबीडीटी चेयरमैन रवि अग्रवाल ने 9 अप्रैल को डिपार्टमेंट के अधिकारियों को लिखे एक पत्र में कर्मचारियों की ताकत को। उन्होंने कहा कि पिछले साल टीम ने अच्छा काम किया है और अब नए वित्त वर्ष में काम डेटा के आधार पर, संतुलित तरीके से और एक साफ-सुथरे व प्रभावी टैक्स सिस्टम बनाने के मकसद से होना चाहिए।

हुमायूँ कबीर ने बताया ममता सरकार की साजिश

कोलकाता (ए)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की आहट के बीच राज्य का सियासी पारा सातों अक्षरान पर पहुंच गया है। हाल ही में तुणमूल कांग्रेस की ओर से जारी किए गए एक कथित स्पिंग वीडियो ने बंगाल की राजनीति में भूचाल ला दिया है। इस वीडियो में आम जनता उग्रयन पार्टी (एज्यूपी) के प्रमुख और टीएमसी के पूर्व विधायक हुमायूँ कबीर को भाजपा के साथ करोड़ों की डील करते हुए दिखाते का दावा किया गया है। अब इस पर हुमायूँ कबीर ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि यह मेरे खिलाफ ममता बनर्जी और उनकी पार्टी की साजिश है।

टेंटुलिया में एक चुनावी रैली को संबोधित किया

सांप पर भी भरोसा किया जा सकता है, लेकिन भाजपा पर नहीं: ममता

कोलकाता (ए)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को भाजपा पर तीखा हमला किया। उत्तर 24 परगना जिले के टेंटुलिया में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा को असम के स्थानीय लोगों के वोटों पर भरोसा नहीं था। इसलिए पार्टी ने चुनाव जीतने के लिए बाहर से लोग बुलाए। ममता ने दावा किया कि उत्तर प्रदेश से 50,000 लोगों को ट्रेन में भरकर असम लाया गया। ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा के राज में देश की कोई भी एजेंसी निष्पक्ष नहीं रह गई है।

मथुरा में बड़ा हादसा : यमुना में पुल से टकराकर पलटी नाव

पंजाब के 10 श्रद्धालुओं की मौत ; सीएम योगी ने जताया दुख

मथुरा (ए)। उत्तर प्रदेश के वृंदावन में शुक्रवार दोपहर एक बड़ा हादसा हो गया। केसी घाट पर श्रद्धालुओं से भरी एक नाव पटुन पुल से टकराकर यमुना नदी में पलट गई। पुलिस और स्थानीय प्रशासन मिलकर बड़े पैमाने पर बचाव अभियान चलाया। गोताखोर यमुना के गहरे पानी में डूबे हुए लोगों की तलाश में जुटे हैं।

इस दुर्घटना में नाव सवार करीब 25 से 30 श्रद्धालु यमुना के पानी में डूब गए। पुलिस की टीम ने गोताखोरों की मदद से 15 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इनमें से



एक श्रद्धालु को संयुक्त चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। दुखद रूप से, इस हादसे में 10 श्रद्धालुओं की मौत हो गई है। डीआईजी शैलेश कुमार पांडे ने इसकी पुष्टि की है। वहीं बाकियों की तलाश जारी है।

बचाव कार्य और स्थिति

सूचना मिलते ही पुलिस और गोताखोरों की

टीम तुरत मौक पर पहुंची। उन्होंने बिना देर किए बचाव अभियान शुरू कर दिया। दुर्घटनास्थल पर भारी भीड़ जमा हो गई है, जिससे बचाव कार्य में थोड़ी बाधा आ रही है। प्रशासन ने लोगों से शांत रहने और बचाव दल का सहयोग करने की अपील की है। स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

पंजाब से आया था 150 लोगों का दल

जांच में यह बात भी सामने आ रही है कि 150 लोगों का दल लुधियाना, पंजाब और मुक्तेश्वर से आया है और ये सभी उनमें ही शामिल थे। बताया गया है जिस नाव में लोग सवार थे वो भी पलट कर डूब गई है और उसकी तलाश भी जारी है। जिसकी यह नाव

है वो प्राइवेट नाविक था।

सीएम योगी ने जताया दुख

हादसे के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दुख जताते हुए एक्स पर लिखा, जनपद मथुरा में नाव पलटने से हुई दुर्घटना में जनहानि अत्यंत दुःखद एवं हृदय विदारक है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। संबंधित अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचकर बचाव व राहत कार्य संचालित करने और घायलों का समुचित उपचार करने के निर्देश दिए हैं। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को सद्गति एवं शोकाकुल परिजनों को यह अथाह दुःख सहन करने की शक्ति और घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करे।

सुकमा में मुख्यमंत्री बस्तर स्वास्थ्य योजना का होगा शुभारम्भ

आधुनिक चिकित्सा और पारंपरिक औषधीय ज्ञान के संगम से सशक्त होगा छत्तीसगढ़ का स्वास्थ्य मॉडल : मुख्यमंत्री साय

भेड़िसिटी हब और नए मेडिकल कॉलेज से बदलेगा प्रदेश का स्वास्थ्य परिदृश्य

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज नवा रायपुर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति स्वास्थ्य विज्ञान एवं आयुष विश्वविद्यालय में आयोजित ऑल इंडिया हेल्थ साइंसेज वाइस चांसलर मीट-2026 को संबोधित करते हुए इसे प्रदेश के लिए एक ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण अवसर बताया। उन्होंने भगवान श्रीराम के ननिहाल छत्तीसगढ़ की पावन धरा पर देशभर से आए कुलपतियों, शिक्षाविदों और विद्यार्थियों का आत्मीय स्वागत किया।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने के प्रयासों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आयुष्मान् भारत योजना के तहत गरीब परिवारों को 5 लाख रुपये तक की सहायता मिलना उनके लिए वरदान सिद्ध हो रहा है। उन्होंने कहा कि पहले गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए ग्रामीणों को कर्ज लेने या जमीन बेचने जैसी कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता था, लेकिन अब यह स्थिति तेजी से



बदल रही है और स्वास्थ्य सेवाओं में विश्वास बढ़ा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि मधुमेह और कैंसर जैसी बीमारियां, जो पहले सीमित वर्ग तक मानी जाती थीं, अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी तेजी से फैल रही हैं। इस चुनौती से निपटने के लिए केंद्र सरकार द्वारा %आरोग्य मंदिर' जैसी पहल की जा रही है, जिसका उद्देश्य लोगों को स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा देश में तीन आयुर्वेदिक एम्स स्थापित करने का निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य का लगभग

44 प्रतिशत क्षेत्र वनाच्छादित है, जो औषधीय पौधों की दृष्टि से अत्यंत समृद्ध है। इसी संदर्भ में उन्होंने श्री हेमचंद्र मांझी को आयुर्वेद के क्षेत्र में पद्मश्री सम्मान मिलने पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि उनके पास कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए विशेषों से भी लोग आते हैं।

मुख्यमंत्री ने राज्य में स्वास्थ्य अधोसंरचना के तेजी से विस्तार का उल्लेख करते हुए कहा कि राजधानी में भेड़िसिटी हब विकसित किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत 5000 बिस्तरों वाला सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल स्थापित

स्वस्थ नागरिक ही विकसित छत्तीसगढ़ की आधारशिला

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पहली बार आयोजित इस एकदिवसीय सम्मेलन के माध्यम से स्वास्थ्य शिक्षा और चिकित्सा क्षेत्र में नवाचारों का व्यापक आदान-प्रदान होगा, जो आने वाले समय में एक महत्वपूर्ण मील का पथर सिद्ध होगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस मंच से निकले विचार न केवल नीति निर्माण को दिशा देगे, बल्कि आमजन तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में भी सहायक होंगे।

किया जाएगा। इससे प्रदेशवासियों को विश्वस्तरीय चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने यह भी बताया कि उनके कार्यकाल में रायपुर में एक र्जजन से अधिक निजी अस्पतालों का शुभारंभ किया गया है। भारत की समृद्ध ज्ञान परंपरा का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा देश नालंदा, तक्षशिला और विक्रमशिला जैसे महान शिक्षा केंद्रों का धनी रहा है और चिकित्सा व अध्यात्म दोनों क्षेत्रों में विश्व गुरु के रूप में स्थापित रहा है। आयुर्वेद को ऋग्वेद का उपवेद बताते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में सर्वे भवन्तु सुखिनः का भाव सदैव

भारत को ऊर्जा निर्भरता पर दोबारा सोचने की जरूरत

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच ओएनजीसी के चेयरमैन और सीईओ अरुण कुमार सिंह ने कहा कि युद्ध से पैदा हुए दशकों के सबसे बड़े ऊर्जा संकट के बाद दुनिया जब उबरने की कोशिश कर रही है। ऐसे में भारत को अपनी ऊर्जा आपूर्ति के पारंपरिक स्रोतों (खासकर मिडिल ईस्ट) पर निर्भरता को लेकर सतर्क रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत अपनी कच्चे तेल की लगभग आधी जरूरत, गैस की 30 फीसदी और एलपीजी की 85-90 फीसदी जरूरत मध्य पूर्व से पूरी करता है। ऐसे में कीमत और आपूर्ति में दिक्कतों से बचने के लिए रणनीतिक भंडारण (स्टोरेज) बनाना जरूरी है।

बाजार का रोलर-कोस्टर हपता

वैश्विक तनाव के बावजूद सेंसेक्स में 4000 अंकों से अधिक का उछाल

नई दिल्ली। तीस शेरों वाला बीएसई सेंसेक्स 918.60 अंक या 1.20 फीसदी की बढ़त के साथ 77,550.25 पर बंद हुआ। दिन के कारोबार के दौरान यह 990.85 अंक या 1.29 फीसदी उछलकर 77,622.50 के उच्च स्तर पर पहुंच गया था। पचास शेरों वाला एनएसई निफ्टी 275.50 अंक या 1.16 फीसदी चढ़कर 24,050.60 पर समाप्त हुआ। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन बाजार की चाल के बारे में विस्तार से जानने के लिए

पढ़ें। शेरार बाजार में 6 अप्रैल 2026 से शुरू हुआ कारोबारी हफ्ता भारतीय शेरार बाजार के इतिहास में एक रोलर-कोस्टर राइड के रूप में दर्ज हो गया है। वैश्विक तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और विदेशी निवेशकों की भारी बिकवाली के बावजूद, बाजार ने जिस तरह वापसी की, वह किसी चमत्कार से कम नहीं।

इस हफ्ते बाजार की चाल पूरी तरह से अंतरराष्ट्रीय खबरों और कूटनीतिक बयानों से तय हुई।

बंगाल में शाह की हुंकार, कहा-

भाजपा की सरकार बनना तय खड़गपुर में हुआ शाह का रोड शो



कोलकाता (ए)। पश्चिम बंगाल के देबरा में भाजपा की चुनावी रैली को संबोधित करते समय केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने स्थानीय लोगों के साथ-साथ भाजपा कार्यकर्ताओं में भी जोश भरा। उन्होंने कहा, हम सब बंगाल में चुनाव के लिए इकट्ठा हुए हैं। आप लोगों को 23 अप्रैल को मतदान करना है और आप लोगों को कमल के निशान का बटन दबाना है। पश्चिम मेदिनीपुर में आयोजित इस जनसभा में अमित शाह ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के कार्यकाल को भी घेरा। शाह ने कहा, 15 साल तक मां, माटी और मानुष का नारा लेकर ममता बनर्जी ने यहाँ राज किया।

शाह ने सीएम ममता को आड़े हाथ लिया और कहा, उन्होंने हमारे युवाओं को बेरोजगार किया, लाठियां भांजी, बहनों पर अत्याचार किया, किसानों को परेशान किया

और अब वो अपनी कटमनी और सिंडिकेट से पूरे बंगाल को परेशान कर रही हैं। अब आपको इस कटमनी और सिंडिकेट से मुक्ति पानी है, घुसपैठिया मुक्त बंगाल बनाना है। भाजपा चाहती है कि बंगाल को घुसपैठियों से मुक्त कर दें, लेकिन ममता बनर्जी इन्हें संभालकर रखना चाहती हैं। ममता दीदी, जितना जोर लगाना है, लगा दो, हम एक एक घुसपैठिये को आर्योजित इस जनसभा में अमित शाह ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के कार्यकाल को भी घेरा। शाह ने कहा, 15 साल तक मां, माटी और मानुष का नारा लेकर ममता बनर्जी ने यहाँ राज किया।

शाह ने सीएम ममता को आड़े हाथ लिया और कहा, उन्होंने हमारे युवाओं को बेरोजगार किया, लाठियां भांजी, बहनों पर अत्याचार किया, किसानों को परेशान किया

ईरान से बात या सख्त चेतावनी

ट्रंप के संदेश के साथ पाकिस्तान रवाना हुए वेंस, कहा- चालबाजी मंजूर नहीं होगी



बातचीत करना चाहता है। लेकिन उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि अगर ईरान ने बातचीत में खेल करने की कोशिश की तो अमेरिकी टीम सख्त रुख अपनाएगी।

यह बयान साफ संकेत देता है कि बातचीत के साथ-साथ दबाव की रणनीति भी जारी रहेगी। यह वार्ता पश्चिम एशिया में एक महोने से जारी तनाव को खत्म करने के मकसद से हो रही है।

कौन-कौन शामिल है इस अहम बातचीत में ?

अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व वेंस करुते हैं। हालांकि अभी यह पूरी तरह साफ नहीं है कि ईरान के सभी शीर्ष नेता इस बैठक में शामिल होंगे या नहीं। पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार ईरानी प्रतिनिधिमंडल इस्लामाबाद पहुंच चुका है।

ईरान की तरफ से कौन कर रहा है नेतृत्व ?

ईरान की ओर से संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ इस वार्ता का नेतृत्व कर सकते हैं। हालांकि अभी यह पूरी तरह साफ नहीं है कि ईरान के सभी शीर्ष नेता इस बैठक में शामिल होंगे या नहीं। पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार ईरानी प्रतिनिधिमंडल इस्लामाबाद पहुंच चुका है।

आईपीएल में ऑनलाइन सट्टा खिलाने वाले गिरोह का भंडाफोड़

16 आरोपी गिरफ्तार, हिमाचल प्रदेश से चल रहा था नेटवर्क

हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। आरोपी के पास से एक मोबाइल, 5780 नकद और सट्टेबाजी से जुड़े स्क्रीनशॉट बरामद किए गए।

तकनीकी जांच से बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़

अजय बतरा के मोबाइल की तकनीकी जांच में "RUVI-BET" पैनल आईडी के जरिए सट्टा संचालन का खुलासा हुआ। जांच में पता चला कि इस आईडी के माध्यम से हिमाचल प्रदेश में बैठे एक बड़ा गिरोह देशभर में ऑनलाइन सट्टा चला रहा था। इसके बाद भाटापारा पुलिस ने हिमाचल प्रदेश के सोलन



जिले के परवानू क्षेत्र में दबिश दी। वहां एक किराए के मकान में चल रहे सट्टा ऑपरेशन का भंडाफोड़ करते हुए 16 आरोपियों को मौके से गिरफ्तार किया गया। पकड़े गए आरोपी उत्तरप्रदेश, पंजाब, हरियाणा,

नेपाल व छत्तीसगढ़ के हैं।

आरोपियों से भारी मात्रा में सामान जब्त

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 7 लैपटॉप, 2 आईपैड, 48 मोबाइल



नियमों का पालन करने वालों को पुष्पगुच्छ देकर किया गया सम्मान

सड़क दुर्घटनाओं पर पूर्ण नियंत्रण के ध्येय से नारायणपुर पुलिस ने चलाया यातायात अभियान

नारायणपुर। पुलिस द्वारा सड़क दुर्घटनाओं पर पूर्ण नियंत्रण के ध्येय से व्यापक यातायात अभियान एवं सघन चेकिंग अभियान संचालित किया गया। यह अभियान पुलिस अधीक्षक रोबिनसन गुड्डिया के निर्देशन में जिला मुख्यालय सहित समस्त थाना क्षेत्रों में प्रभावी रूप से चलाया गया। अभियान के दौरान यातायात नियमों का पालन करने वाले वाहन चालकों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से हेलमेट पहनकर दोपहिया वाहन चलाने वाले एवं सीट बेल्ट लगाकर चारपहिया वाहन चलाने वाले चालकों को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया, वहीं अन्य वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करते हुए हेलमेट एवं सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग के संबंध में समझाइश दी गई। जिला पुलिस द्वारा आम



नागरिकों से अपील की गई है कि वे स्वयं की सुरक्षा एवं दूसरों के जीवन की रक्षा हेतु यातायात नियमों का कड़ाई से पालन करें तथा इस अभियान में सक्रिय सहयोग प्रदान करें। पुलिस अधीक्षक गुड्डिया ने बताया कि जनजागरूकता अभियान के पश्चात शीघ्र ही यातायात नियमों के उल्लंघन पर सख्ती से चालानी कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने, बिना सीट बेल्ट

चारपहिया वाहन चलाने, बाइक में तीन सवारी बैठाने तथा नशे की हालत में वाहन चलाने वालों के विरुद्ध किसी भी स्थिति में नरमी नहीं बरती जाएगी। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार नायक के मार्गदर्शन एवं यातायात प्रभारी (रक्षित निरीक्षक) मोहसिन खान के नेतृत्व में 05 अप्रैल को राष्ट्रीय राजमार्ग 130डी गढ़बेगोल तिराहा में सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान

विशेष रूप से मालवाहक वाहनों में सवारी बैठाने, बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट वाहन चलाने तथा भारी वाहनों के दस्तावेजों की गहन जांच की गई। अभियान के अंतर्गत मालवाहक वाहनों में सवारी बैठाने वाले कुल 15 वाहन चालकों पर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्यवाही किया गया, वहीं सघन वाहन चेकिंग के दौरान कुल 40 वाहन चालकों के खिलाफ कार्यवाही किया गया। चेकिंग के दौरान कई

वाहनों के दस्तावेज सही पाए गए, जबकि कुछ में मामूली त्रुटि पाए जाने पर संबंधित चालकों को चेतावनी देकर छोड़ा गया।

पुलिस अधीक्षक गुड्डिया ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे मालवाहक वाहनों में सवारी न बैठएं तथा सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं यातायात व्यवस्था के सुचारू संचालन में सहयोग करें। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुशील नायक ने भी वाहन चालकों से अप्रगह किया कि वे सदैव हेलमेट एवं सीट बेल्ट का उपयोग करें, नशे की हालत में वाहन न चलाएं, नबालिगों को वाहन न चलाने दें, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करें तथा यातायात संकेतों का पालन करें। आपकी सुरक्षा, हमारी जिम्मेदारी; यातायात नियमों का पालन है बड़ी समझदारी।

समय-सीमा बैठक में कलेक्टर के निर्देश, 14 अप्रैल से 'स्वस्थ बस्तर अभियान' होगा प्रारंभ

जगदलपुर। कलेक्टर आकाश छिकारा ने समय-सीमा की बैठक में राज्य शासन से प्राप्त निर्देशों के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर देते हुए कहा कि 14 अप्रैल से जिले में स्वस्थ बस्तर अभियान चलाया जाएगा, जिसके अंतर्गत घर-घर स्वास्थ्य जांच की जाएगी तथा इसका व्यापक प्रचार-प्रसार विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर छिकारा ने जिला कार्यालय के प्रेरणा सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समय सीमा की बैठक ली। बैठक में स्वास्थ्य विभाग से एम्बुलेंस व्यवस्था, सौ दिन टीबी टेस्टिंग की निक्षेप पोर्टल पर प्रगति तथा अस्पतालों में आयुष्मान कार्ड ब्लॉकिंग की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने ऑनलाइन पोस्टमार्टम रिपोर्ट व्यवस्था लागू करने पर चर्चा की ताकि आरबीसी 6-4 के प्रकरणों में आवश्यक सहायता सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने उचित मूल्य की दुकानों में



खाद्यान्न भंडारण की स्थिति पर संज्ञान लेते हुए सभी एसडीएम को प्रमुख एफसीआई गोदामों का निरीक्षण करने और पीडीएस संचालकों की तहसीलवार मासिक समीक्षा बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अक्रियाशील खातों से राशि जमा करवाने हेतु संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के साथ कार्यवाही करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने समय-सीमा की बैठक में अनुपस्थित रहने वाले अधिकारियों पर नाराजगी जताते हुए स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिए। कृषि विभाग को शासन के निर्देशानुसार खाद्य विक्रेताओं को

दुकानों में मानकों के अनुरूप विक्रय करने की जांच करने तथा एसडीएम को भी दुकानों का निरीक्षण सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत आधार सॉडिंग एवं ई-केवाईसी, एग्रीस्टैक वेरिफिकेशन की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने एनसीईआर सर्वे, जनगणना की प्रारंभिक तैयारियों एवं मुख्य सचिव की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के निर्देशों के पालन की समीक्षा भी बैठक में की। आकांक्षी ब्लॉकों में -सम्पूर्णता अभियान 2.0 के चार प्रमुख पैरामीटरों पर चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

वन मंत्री केदार कश्यप ने किया कन्या छात्रावास भवन का उद्घाटन

नारायणपुर। प्रदेश के वन एवं जलवायु परिवर्तन, परिवहन, सहकारिता एवं संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप ने अपने एक दिवसीय नारायणपुर प्रवास के दौरान आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग अंतर्गत एजुकेशन हब गरांजी में नव निर्मित पोस्ट मैट्रिक अन्य पिछड़ा वर्ग कन्या छात्रावास भवन का उद्घाटन किया। कलेक्टर नम्रता जैन ने जानकारी दी कि छात्रावास भवन का निर्माण लगभग 1 करोड़ 91 लाख 51 हजार रुपये की लागत से हुआ है। छात्रावास के प्रारंभ होने से क्षेत्र की छात्राओं को सुरक्षित, सुविधायुक्त एवं गुणवत्तापूर्ण आवासीय व्यवस्था उपलब्ध होगी, जिससे उनकी शिक्षा में निरंतरता और गुणवत्ता दोनों में सुधार आएगा। यह सुविधा विशेष रूप से दूरस्थ एवं आदिवासी क्षेत्रों की छात्राओं के लिए उच्च शिक्षा को सुगम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस दौरान वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा के क्षेत्र में विशेष रूप से बालिकाओं के सशक्तिकरण को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा



कि दूरस्थ अंचलों में रहने वाली छात्राओं को आवासीय सुविधाओं के अभाव में उच्च शिक्षा प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, ऐसे में इस प्रकार के छात्रावास न केवल शिक्षा को सुलभ बनाएंगे, बल्कि उन्हें सुरक्षित और अनुकूल वातावरण भी प्रदान करेंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस पहल से छात्राओं की शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा और समाज में जागरूकता तथा सशक्तिकरण की दिशा में सकारात्मक परिवर्तन आएगा। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ के अध्यक्ष

रूपसाय सलाम, जिला पंचायत अध्यक्ष नारायण मरकाम, नगर पालिका अध्यक्ष इंद्रप्रसाद बघेल, उपाध्यक्ष जयप्रकाश शर्मा, पार्षदगण, जनप्रतिनिधिगण और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत आकांक्षा शिक्षा खलखो, अपर कलेक्टर बीरेंद्र बहादुर पंचभाई, एसडीएम अभयजीत मण्डावी, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग डॉ. राजेंद्र सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार पटेल सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी और छात्राई मौजूद रहे।

थाना अनंतपुर पुलिस द्वारा ग्राम मालगांव के वार्षिक मेला में खुदखुडिया खेलाते 2 आरोपी को किया गया गिरफ्तार

कोण्डगांव। पुलिस अधीक्षक कोण्डगांव त्रिलोक बंसल के द्वारा जिले का कार्य भार ग्रहण करने के पश्चात् थाना क्षेत्र में चल रहे अवैध कार्यों पर रोक लगाने एवं प्रभावी कार्यवाही करने दिशा निर्देश दिये हैं। इसी तारतम्य में 7 अप्रैल को पेट्रोलिंग दौरान जरिये मुखबरी सूचना मिला कि कुछ लोग ग्राम मालगांव मेला स्थल टेकरी के पास खुदखुडिया नामक जुआ में रूपया पैसा का दांव लगाकर जुआ खेल एवं खेला रहे है कि सुचना पर ग्राम मालगांव मेला स्थल टेकरी पास पहुँचकर बताया स्थान पर घेराबंदी कार्यवाही कर दो व्यक्ति को खुदखुडिया नामक जुआ खेलाते पकड़े आरोपियों का नाम पता पूछने पर अपना नाम अरविंद नेताम



पिता आलेख नेताम उम्र 30 वर्ष जाति मुरिया निवासी मालगांव थाना अनंतपुर जिला कोण्डगांव, नीलु सोरी सुकालु राम सोरी उम्र 24 वर्ष जाति मुरिया निवासी मालगांव थाना अनंतपुर जिला कोण्डगांव का रहने वाले बताये उनके पास से 06 नग खुदखुडिया गोटा, 01 नग झण्डा मुखड़ा चार्ट, 01 नग टोकनी, 01 प्लास्टिक चट्टाई, फड से 970/रु. दोनों का तलाशी लेने पर अरविंद नेताम के पास से 200/-

रुपये कुल-1170/रु. बरामद किया गया। आरोपियों का कृत्य अपराध धारा सदर का पाये जाने से अपराध क्रमांक 12/2026 छग जुआ प्रतिषेध अधिनियम की धारा 03 के तहत मौके पर विधिवत कार्यवाही किया गया। सम्पूर्ण कार्यवाही में प्र.आर. 236 भूपेन्द्र मरकाम, प्र.आर. 196 छबीलाल कोराम, प्र.आर. 349 श्यामसिंह मरकाम एवं समस्त स्टॉफ का विशेष योगदान रहा।

हराकोडेर मढ़ई-मेला में शामिल हुए चित्रकोट विधायक, आश्रम शाला का किया निरीक्षण



जगदलपुर। बस्तर जिले के चित्रकोट विधानसभा क्षेत्र के अंतिम एवं सुदूर ग्राम पंचायत हराकोडेर में मालवायु के आयोजित पारंपरिक मढ़ई मेला कार्यक्रम में चित्रकोट विधायक विनायक गोयल ने सहभागिता कर उन्होंने श्रद्धापूर्वक मां गंगादेई की पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि और शांति की कामना की। मढ़ई मेला क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण, जनप्रतिनिधि और श्रद्धालु शामिल

हुए। कार्यक्रम के दौरान विधायक गोयल ने स्थानीय लोगों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और सुझावों पर सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे पारंपरिक आयोजन समाज में एकता और भाईचारे को मजबूत करते हैं तथा हमारी संस्कृति को जीवंत बनाए रखते हैं। उन्होंने कहा कि जनता का विश्वास ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है, जो उन्हें निरंतर जनसेवा के लिए प्रेरित करता है।

महिलाओं एवं बच्चों के विरुद्ध घटित अपराधों में कोंडागांव पुलिस द्वारा लगातार की जा रही हैं त्वरित एवं कड़ी कार्यवाही

कोण्डगांव। नाबालिक पीड़िता के पिता द्वारा थाना में रिपोर्ट दर्ज कराया गया कि आरोपी आनंद मंडोवी द्वारा 01 अप्रैल 2026 मेला देखने जाने के दौरान उसकी पुत्री नाबालिक पीड़िता को उसके नाबालिक होना जानते हुए बहला फुसलाकर शादी का झांसा देकर उसे अपने साथ अलग-अलग स्थानों पर ले गया और नाबालिक पीड़िता को तुम्हें पसंद करता हूँ और तुमसे शादी करना चाहता हूँ कह कर नाबालिक पीड़िता के साथ जबरदस्ती यौन संबंध बनाकर बलात्कार किया गया कि नाबालिक पीड़िता के पिता के रिपोर्ट पर थाना फरसगांव में अपराध क्रमांक 39 /2026 धारा 65(1),351(3) बीएनएस 4,6 पेक्स एक्ट पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। मामले की गंभीरता एवं संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक कोंडागांव त्रिलोक बंसल के निर्देशानुसार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोंडागांव कपिल चंद्रा के मार्गदर्शन एवं उप पुलिस अधीक्षक अभिनव



उपाध्याय एसडीओपी फरसगांव के कुशल चंद्रशेखर श्रीवास के हमराह टीम गठित कर चंद भट्टे के अंदर आरोपी को विधिवत गिरफ्तार किया गया जिसे विधिवत कार्यवाही पश्चात न्यायिक रिमांड हेतु न्यायालय में पेश

किया गया। 'प्रमुख योगदान' - निरीक्षक-चंद्रशेखर श्रीवास, उप निरीक्षक- शशि भूषण पटेल, सहा उप निरी-सुमित्रा सेटिया, महिला प्रधान आर.-जयश्री धुव, आर.-प्रेमलाल मरकाम, कृष्णा सेटिया महिला आर.-कोशल्या सोरी।

लाल आतंक के साये से निकलकर विकास की नई इबारत लिख रहा मिनपा

कोंटा। कभी नक्सलवाद का गढ़ और संघर्ष के लिए पहचाना जाने वाला मिनपा गांव शांति और सुशासन की नई मिसाल पेश कर रहा है। मार्च 2020 की वह हृदयविदारक घटना, जिसमें 17 सुरक्षाकर्मियों ने अपनी शहादत दी थी, उस काले अध्याय को पीछे छोड़ते हुए मिनपा अब विकास की मुख्यधारा से जुड़कर 'आत्मनिर्भरता' की ओर कदम बढ़ा चुका है।

स्वास्थ्य क्रांति-अब गांव में ही मिलता है उपचार - अतीत में ग्रामीणों को छोटी-छोटी बीमारियों के इलाज के लिए चिंतागुफा या दोरनापाल जैसे दूर-दराज के इलाकों पर निर्भर रहना पड़ता था। लेकिन आज गांव में ही उप स्वास्थ्य केंद्र स्थापित हो चुका है, जहाँ ग्रामीणों को निःशुल्क दवाएं और त्वरित उपचार मिल रहा है। स्वास्थ्य केंद्र में बाइक एंबुलेंस की सुविधा दी जा रही है जो दूरस्थ पहुँच विहीन गांवों से मरीजों को स्वास्थ्य केंद्र लाने का कार्य करती है।

डिजिटल सेवा: गांव में खुला आधार केंद्र - प्रशासन की सक्रियता से अब ग्रामीणों को शासकीय दस्तावेजों के लिए शहर की दौड़ नहीं



लगानी पड़ती। गांव में ही आधार कार्ड अपडेट, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, राशन कार्ड और वोटर आईडी जैसी ऑनलाइन सुविधाएं सुलभ करा दी गई हैं।

शिक्षा और पोषण का उजियारा - मिनपा में अब स्कूल और आंगनवाड़ी केंद्र पूरी जीवंतता के साथ संचालित हैं। बच्चों के हाथों में अब किताब और कलम है, जो एक सुरक्षित और शिक्षित भविष्य की नींव रख रहे हैं।

सुदृढ़ राशन व्यवस्था और बिजली की पहुँच- गांव में निर्मित नए पीपीएस भवन से हर माह नियमित राशन वितरण सुनिश्चित हो रहा है।

वहीं, बिजली के खंभों ने गांव के अंधेरे को दूर कर दिया है। घर-घर बिजली पहुँचाने का कार्य अब अंतिम चरण में है, जिससे गांव की रातें भी अब रोशन हैं।

कलेक्टर अमित कुमार ने बताया कि मिनपा गांव में विकास की यह नई बयार ग्रामीणों के जिला प्रशासन के प्रति बढ़ते विश्वास का परिणाम है। हमारा मुख्य उद्देश्य नक्सलवाद के खाले के साथ दूरस्थ क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करना है। आज मिनपा में स्कूल, बिजली, राशन और स्वास्थ्य सुविधाओं का सुलभ होना इस बात का प्रमाण है कि विकास अब अंतिम व्यक्ति तक

पहुँच रहा है। हम मिनपा की तरह जिले के हर अंदरूनी गांव को मुख्यधारा से जोड़ने और वहां के युवाओं को बेहतर भविष्य देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

मिनपा निवासी माइवी सुक्का पिता भीमा को शासन द्वारा 2 हेक्टेयर रकबे का वनाधिकार पत्र प्रदान किया गया है, जिससे उन्हें अपने कब्जे की वन भूमि पर मालिकाना हक मिला। वनाधिकार पट्टे की भूमि पर माइवी सुक्का ने धान की खेती कर आय बढ़ाई और छत्तीसगढ़ शासन की समर्थन मूल्य धान खरीदी योजना के तहत धान बेचकर प्राप्त राशि से ट्रैक्टर की किरत चुकाई। साथ ही

उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत पक्का मकान निर्माण की स्वीकृति मिली है और उनका आवास निर्माण कार्य प्रगति पर है। इसके अतिरिक्त उनके आधार कार्ड, राशन कार्ड, जांब कार्ड, आयुष्मान कार्ड और पैन कार्ड भी बन चुके हैं, जिससे उन्हें विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ आसानी से मिल रहा है। प्रशासनिक संकल्प से बदली तस्वीर-नक्सलवाद के कारण धमा हुआ विकास अब वनाधिकार पट्टा समर्थन मूल्य में धान खरीदी और पीएम आवास जैसी योजनाओं के माध्यम से धरातल पर दिखाई दे रहा है।

बैंक ऑफ बड़ौदा कोण्डगांव में नेशनल लोक अदालत एवं विधिक साक्षरता शिविर का हुआ आयोजन

कोण्डगांव। आम नागरिकों के प्रति विधिक जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आज बैंक ऑफ बड़ौदा कोण्डगांव परिसर में 09 मई 2026 एवं विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य लोगों को उनके कानूनी अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें निःशुल्क विधिक सहायता की जानकारी एवं आम नागरिकों को नेशनल लोक अदालत के माध्यम से सुलभ, त्वरित एवं सस्ती न्याय व्यवस्था की जानकारी प्रदान करना रहा। इस दौरान प्रतियोगिता अधिवक्ता सुरेन्द्र भट्ट के द्वारा विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों जैसे उपभोक्ता अधिकार बैंकिंग से संबंधित कानूनी प्रावधान, साइबर



अपराध से बचाव, महिला एवं बाल अधिकार तथा निःशुल्क विधिक सहायता योजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित नागरिकों की समस्याओं को सुना गया तथा उन्हें कानूनी सलाह प्रदान की गई। साथ ही लोगों को यह भी

बताया गया कि वे किस प्रकार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त कर सकते हैं। इसी प्रकार नेशनल लोक अदालत के बारे में प्रकाश डालते हुए बताया गया कि इसके माध्यम से आपसी सहमति से मामलों का त्वरित एवं सरल निराकरण किया जा सकता है, जिससे समय व धन दोनों की बचत होती है। विशेष रूप से बैंकिंग एवं ऋण संबंधी प्रकरणों के निपटारे के लिए नेशनल लोक अदालत एक प्रभावी माध्यम है।

लाल आतंक के सूर्यास्त के साथ सुकमा में उदय हुआ स्वास्थ्य सेवाओं का सूरज

जगदलपुर। बस्तर के सुदूर अंचलों में कभी लाल आतंक की धमक से सहमे रहने वाले सुकमा जिले की तस्वीर अब पूरी तरह बदल चुकी है। दशकों पुराने संघर्ष और भय के बादलों को चीरकर अब यहाँ विकास और खुशहाली की नई किरणें बिखर रही हैं। जिला प्रशासन सुकमा और बेंगलुरु के एनडीआर फाउंडेशन के साझा प्रयासों से आयोजित दो दिवसीय सुपर स्पेशलिटी मेगा स्वास्थ्य शिविर इस बात का जीवंत प्रमाण है कि अब सुकमा नक्सलवाद की बेड़ियों को तोड़कर स्वस्थ और सशक्त होने की राह पर निकल पड़ा है। मिनी स्टेटियम में बिगट 28 और 29 मार्च को आयोजित इस शिविर ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि जहाँ कभी गोलियों की गूँज थी, आज वहाँ सेवा और संकल्प के गीत गाए जा रहे हैं। लाल आतंक की समाप्ति के इस दौर में जब क्षेत्र में शांति और सुरक्षा का माहौल बना है, तब प्रशासन की पहुँच अंतिम छोर के व्यक्ति तक आसान हुई है। प्रदेश के वन मंत्री एवं सुकमा जिले के प्रभारी मंत्री केदार कश्यप के द्वारा शुभाभिनव



पश्चात इस मेगा स्वास्थ्य शिविर में उन संवेदनशील और अंदरूनी क्षेत्रों के 3,700 से अधिक ग्रामीण बेडोंफ होकर पहुँचे, जो कभी मुख्यधारा से कटे हुए थे। कमिश्नर बस्तर डोमन सिंह के निर्देशानुसार कलेक्टर अमित कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित उच्च मेगा स्वास्थ्य शिविर में कुल 6,500 से अधिक लाभार्थियों की उपस्थिति ने यह साबित कर दिया कि अब ग्रामीण बंदूकों के साये से निकलकर आधुनिक चिकित्सा और विशेषज्ञ परामर्श पर भरोसा जता रहे हैं। शिविर के दौरान 21 विशेषज्ञ डॉक्टरों और 40 स्वास्थ्य योद्धाओं की टीम ने इन वनवासियों के लिए देवदूत बनकर काम किया।

संक्षिप्त समाचार

शराब घोटाला ईओडब्ल्यू एसीबी ने किया चालान पेश

रायपुर। प्रदेश के बहुचर्चित शराब घोटाले में आज एसीबी और ईओडब्ल्यू ने न्यायालय में चलाने पेश कर दिया है। चालान में पूर्व मुख्यमंत्री की सचिव रही सौम्या चौरसिया और के.के. श्रीवास्तव पर पैसे के लेनदेन का आरोप है। एसीबी ईओडब्ल्यू से मिली जानकारी के अनुसार पिछले कई वर्षों से विभिन्न आरोपों में जेल में बंद पूर्व मुख्यमंत्री विशेष सचिव रही सौम्या चौरसिया को जमानत मिल गई है। सुप्रीम कोर्ट ने सशर्त जमानत दी थी, जिसमें कहा गया था कि सौम्या चौरसिया एवं अन्य के खिलाफ आरोप को लेकर चालान शीघ्र पेश किया जाए। इसी के तहत ईओडब्ल्यू ने 1500 पेज का चालान पेश कर दिया है। एसीबी के अनुसार सौम्या चौरसिया को सशर्त जमानत मिली है। इस चालान के पश्चात इसको लेकर स्थिति स्पष्ट होगी। ज्ञात रहे कि शराब घोटाले वाले मामले में कवासी लखमा सुप्रीम कोर्ट से मिली जमानत मिलने के बाद बाहर आए हैं। वे कोर्ट के सशर्त नियमों का पालन कर रहे हैं। इसमें एक अन्य आरोपी पीसीसी का भी एक कर्मचारी शामिल है, इसके अलावा एक अन्य कर्मचारी फरार है।

जमीन विवाद में बहु पर बर्बर हमला, सूरजपुर में मारपीट का वीडियो वायरल

रायपुर। जिले में एक शर्मनाक घटना सामने आई है, जहां पारिवारिक विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। जमीन के पुराने विवाद को लेकर एक महिला की उसके ही रिश्तेदार द्वारा बेरहमी से पिटाई की गई, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। मामला रामानुजनगर थाना क्षेत्र के भुवनेश्वरपुर गांव का है। जानकारी के मुताबिक, पीड़िता कविता कुशवाहा का अपने मामा ससुर रामकुमार कुशवाहा के साथ लंबे समय से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। बताया जा रहा है कि इसी विवाद के चलते आरोपी ने महिला पर लाठी-डंडे से हमला कर दिया और उसकी जमकर पिटाई की। घटना के दौरान किसी ने मारपीट का वीडियो बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो चुका है। वीडियो सामने आने के बाद मामले ने तूल पकड़ लिया, जिसके बाद पीड़िता की शिकायत पर रामानुजनगर थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, आरोपी रामकुमार कुशवाहा के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जा रही है और मामले की जांच जारी है। इस घटना ने एक बार फिर सवाल खड़ा कर दिया है कि घरेलू और जमीन विवाद किस तरह हिंसक रूप ले रहे हैं।

रायपुर प्रेस क्लब में लगेगा आधुनिक साउंड सिस्टम

रायपुर। रायपुर प्रेस क्लब में आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों, प्रेस कॉन्फ्रेंस एवं सांस्कृतिक आयोजनों को और अधिक सुव्यवस्थित एवं प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। वरिष्ठ पत्रकार श्री संदीप तिवारी के सौजन्य से प्रेस क्लब को एक अत्याधुनिक साउंड सिस्टम प्रदान किया गया है। इस आधुनिक साउंड सिस्टम के माध्यम से अब प्रेस क्लब में आयोजित कार्यक्रमों की गुणवत्ता और बेहतर होगी। इससे पत्रकार साथियों एवं आमंत्रित अतिथियों को उत्कृष्ट ध्वनि व्यवस्था का लाभ मिल सकेगा, जिससे आयोजनों की गरिमा और प्रभाव दोनों में वृद्धि होगी। इस अवसर पर प्रेस क्लब के अध्यक्ष मोहन तिवारी, महासचिव गौरव शर्मा, कोषाध्यक्ष दिनेश यदु, उपाध्यक्ष दिलीप साहू, संयुक्त सचिव भूषेश जांगड़े एवं निवेदिता साहू सहित वरिष्ठ फोटो जर्नलिस्ट दीपक पांडे, सत्येंद्र कर, प्रत्यूष शर्मा ,मुकेश वर्मा, अखर हुसैन,कुलदीप शुक्ला ,उमेश यदु तथा बड़ी संख्या में प्रेस क्लब के सदस्य उपस्थित रहे। प्रेस क्लब परिवार ने इस महत्वपूर्ण सहयोग के लिए वरिष्ठ पत्रकार श्री संदीप तिवारी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनका यह योगदान क्लब की गतिविधियों को नई दिशा देने में सहायक सिद्ध होगा।

जंगल रास्ते से आ रहा था नशे का जखीरा 5 लाख का गांजा जब्त, 2 तस्कर गिरफ्तार

रायपुर। बस्तर के जगदलपुर में नशे के सौदागरों पर पुलिस ने ऐसा सर्जिकल वार किया कि उड़ीसा से सप्लाई होकर आने वाला लाखों का गांजा जंगल के रास्ते ही पकड़ा गया, थाना बोधघाट पुलिस को 08 अप्रैल 2026 को मुखबिर से सूचना मिली कि दो संदिग्ध व्यक्ति बिना नंबर की एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल में नीले बैग में गांजा लेकर कुर्छी जंगल होते हुए अडवाला की तरफ से जगदलपुर आ रहे हैं, सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक माहेश्वर नाग के मार्गदर्शन और नगर पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी टामेश्वर चौहान के नेतृत्व में टीम गठित कर अडवाला रेलवे फ्रंटक के पास नाकेबंदी कर घेराबंदी की गई, जैसे ही संदिग्ध बाइक पहुंची पुलिस ने तत्काल रोककर दोनों को हिरासत में लिया और पूछताछ में उनकी पहचान गणपति माली (40 वर्ष) निवासी मूर्तु हंडी शन्गुड़ा जिला कोरापुट उड़ीसा और श्याम सुंदर बीसाई (45 वर्ष) निवासी तेली थार गुड्डी तहसील कोटपाड जिला कोरापुट उड़ीसा के रूप में हुई।

लुंड्रा की धरती पर इतनी बड़ी विकासात्मक पहल एक साथ देखने को मिल रही

सीएम साय ने लुंड्रा में 280 करोड़ से अधिक के कार्यों का किया लोकार्पण

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने ने सरगुजा जिले के लुंड्रा में 280 करोड़ रुपये से अधिक लागत के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इस अवसर पर आयोजित किसान सम्मेलन में बड़ी संख्या में उपस्थित अन्नदाता किसानों और स्थानीय जनसमुदाय को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि ये सभी परियोजनाएं न केवल बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करेंगी, बल्कि क्षेत्र के समग्र और संतुलित विकास को नई गति भी देंगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर को सरगुजा क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि वर्षों बाद लुंड्रा की धरती पर इतनी बड़ी विकासात्मक पहल एक साथ देखने को मिल रही है। उन्होंने बताया कि कुल 281 करोड़ रुपये के कार्यों में 28 करोड़ रुपये के कार्यों का लोकार्पण एवं 253 करोड़ रुपये के कार्यों का शिलान्यास शामिल है। उन्होंने क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि उनके



सतत प्रयासों से सरगुजा को अंबिकापुर से दिल्ली एवं कोलकाता तक हवाई सेवाओं की सुविधा भी प्राप्त हुई है, जिससे क्षेत्र का संपर्क और विकास दोनों तेज होंगे। मुख्यमंत्री ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार के हितों के प्रति पूर्णतः संवेदनशील है और उनकी आय बढ़ाने के लिए निरंतर ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में किसानों से 21 क़िंटल प्रति एकड़ धान की खरीदी 3100 रुपये प्रति क़िंटल की दर से की जा रही है और भुगतान 24 से 48 घंटे के भीतर

सुनिश्चित किया जा रहा है। इसके साथ ही किसान उन्नति योजना के तहत अंतर की सेवाओं की सुविधा भी प्राप्त हुई है, जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है और त्योंहारों में उनकी खुशहाली स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसानों के कल्याण के लिए कई ऐतिहासिक पहलें की गई हैं, जिनमें किसान क्रेडिट कार्ड और प्रधानमंत्री किसान सिंचाई योजना प्रमुख हैं। राज्य सरकार भी इन योजनाओं को प्रभावी रूप

महिला,बाल विकास डीपीओ पर अश्लील व्यवहार का आरोप.....

■ महिला कांग्रेस ने चेताया एक हफ्ते में कार्रवाई नहीं हुई तो होगा कलेक्टोरेट घेराव

■ महिलाओं के सम्मान से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं करेंगे

रायपुर। संवाददाता

महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी वरुण नागेश पर उन्हीं के विभाग में कार्यरत महिला कर्मचारियों ने अश्लील व्यवहार करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। इस मामले को लेकर महिला कांग्रेस द्वारा तुलिका के नेतृत्व में एक जांच टीम गठित की गई, जिसमें महिला शहर अध्यक्ष इंदिरा शर्मा, जिला पंचायत सदस्य सुलोचना कर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष सुमित्रा सोरी, राधा नाग शामिल

थी। जांच टीम द्वारा आज सखी सेंटर एवं महिला बाल विकास कार्यालय पहुंचे अधिकारी-कर्मचारियों के बयान दर्ज किए गए। जांच टीम ने पीड़िताओं से भी मुलाकात की। जानकारी देते हुए जांच टीम से जुड़ी तुलिका कर्मा ने बताया कि जांच में पॉजिट महिलाओं ने अपने साथ हुए अनुचित व्यवहार, मानसिक उत्पीड़न और कार्यस्थल पर असुरक्षित माहौल को लेकर गंभीर शिकायतें दर्ज कराईं। टीम ने सभी बयानों को दस्तावेजित करते हुए निष्पक्ष जांच का भरोसा दिलाया है। तुलिका कर्मा ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि महिलाओं के सम्मान से खिलवाड़ किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। चाहे व्यक्ति कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, यदि वह दोषी पाया गया तो उसके खिलाफकड़ी से कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित कराई जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि यह मामला केवल एक विभाग या कुछ कर्मचारियों तक सीमित नहीं है।

माओवाद देश के लिए मवाद था-संतोष पांडेय

नक्सलवाद अब इतिहास बन कर रह जाएगा-संतोष पांडेय

रायपुर। संवाददाता

भाजपा मुख्य प्रवक्ता एवं सांघद संतोष पांडेय ने लोकसभा सदन में चर्चा के दौरान छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद की पूर्ण समाप्ति को लेकर कहा कि सहन में देश की आंतरिक सुरक्षा के सबसे महत्वपूर्ण विषय वामपंथी उग्रवाद पर सरकार के पक्ष में बोलते हुए कहा कि हम सभी जानते हैं कि किस प्रकार से भ्रमजाल पैदा किया गया और सशस्त्र आंदोलन के नाम पर लंबे समय तक छत्तीसगढ़ के बड़े हिस्से को नक्सलवाद ने जकड़ रखा गया था। अब नक्सलवाद इतिहास बन



कर रह जाएगा। आज नक्सलवाद अपनी अंतिम सांसे गिन रहा है। दशकों तक लाल आतंक का साया हमारे आदिवासी क्षेत्रों पर मंडराता रहा है और आज जब 31 मार्च 2026 तक भारत को हथियारबंध नक्सलवाद से मुक्त करेंगे तो यह विलयीकरण हुआ था।

बल्कि 140 करोड़ भारतीयों की साझा प्रतिज्ञा है और यह प्रतिज्ञा जब नेतृत्व लेता है तो पूरा देश उन पर विश्वास करते हुए उनके पीछे खड़ा होता है। यह दृढ़ इच्छा शक्ति के संकल्प का प्रभाव है। सांसद श्री पांडेय ने कहा कि भारत के इतिहास में जब आंतरिक सुरक्षा के ऊपर चर्चा की जाएगी, शोध किया जाएगा तो देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी और देश के गृहमंत्री अमित शाह का नाम स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाएगा। जिस तरह देश के एकीकरण के लिए जब रियासतों का विलयीकरण हुआ था।

राष्ट्रगीत,राष्ट्रगान,दीप मंत्र और सरस्वती मंत्र उच्चारण के साथ हुआ कार्यक्रम का शुभारंभ

प्रतियोगी परीक्षाओं में विद्यार्थियों की भागीदारी बढ़ाए-गजेन्द्र

■ विद्यालयों में शैक्षणिक कार्यों को अधिक प्रभावी, गुणवत्तापूर्ण एवं परिणामोन्मुखी बनाएं–स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र

रायपुर/ संवाददाता

स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि विद्यालयों में शैक्षणिक कार्यों को अधिक प्रभावी, गुणवत्तापूर्ण एवं परिणामोन्मुखी बनाना सुनिश्चित करें। पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम, साइंस कॉलेज ग्राउंड, रायपुर में स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी एवं हिन्दी माध्यम विद्यालयों के प्राचार्यों की राज्य स्तरीय बैठक का आयोजन आज स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। उन्होंने सभी प्राचार्यों से अपेक्षा की गई कि वे

डॉ. भीमराव अंबेडकर के समान समता, शिक्षा एवं सामाजिक न्याय के मू्यों को आत्मसात करते हुए विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, अनुशासन एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर विशेष ध्यान दें तथा राज्य के शिक्षा स्तर को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। बैठक का शुभारंभ राष्ट्रीय, राष्ट्रागन, दीप मंत्र एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया। साथ ही कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. भीमराव अंबेडकर की जीवनी के उल्लेख से करते हुए उनके संघर्षों एवं नागरिकों को समान अधिकार दिलाने में दिए गए योगदान को स्मरण किया गया। इस महत्वपूर्ण बैठक में राज्यभर के लगभग 751 विद्यालयों के प्राचार्यों ने भाग लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य विद्यालयों में शैक्षणिक कार्यों को अधिक प्रभावी, गुणवत्तापूर्ण एवं परिणामोन्मुखी बनाना रहा। बैठक में आगामी शैक्षणिक सत्र हेतु बोर्ड परीक्षा परिणामों



में सुधार के लिए लक्ष्य निर्धारण, ह्र्दयश्चक्र एवं हृदयश्चक्र जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में विद्यार्थियों की भागीदारी एवं सफलता बढ़ाने की रणनीति, पारदर्शी प्रवेश प्रक्रिया, अंग्रेजी भाषा दक्षता में सुधार, पीटीए बैठकों की समीक्षा तथा पालक-अधिकारियों की भूमिका जैसे विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। बैठक में सह-शैक्षणिक गतिविधियों की उपलब्धियां, स्मार्ट

क्लास एवं पुस्तकालयों के प्रभावी उपयोग, शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार तथा नवाचार आधारित गतिविधियों पर भी विचार- विमर्श किया गया। बैठक में सेजस के विजन मिशन को पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुत किया गया, जिसमें 4.22 लाख से अधिक अध्ययनरत विद्यार्थियों, स्मार्ट क्लासरूम, पुस्तकालय उपयोग, शिक्षकों की भर्ती, मॉनिटरिंग एवं विद्यार्थियों की

राजनीतिक महत्वाकांक्षा प्रदेश के कई अधिकारी चुनाव की कर रहे तैयारी

■ समाधान शिविर लगाकर समस्या का कर रहे निराकरण

■ धरसीवा विधानसभा क्षेत्र से एक अधिकारी कर रहे जनसंपर्क

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ में विधानसभा उपचुनाव के लिए दो वर्ष से अधिक का समय बाकी है लेकिन छत्तीसगढ़ के अधिकारियों की राजनीतिक महत्वाकांक्षा बढ़ती जा रही है जिसके कारण वे अपने गृह विधानसभा क्षेत्र में काम कराने को लेकर सक्रिय हो गए हैं। मिली जानकारी के अनुसार प्रदेश में आरक्षित विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा और कांग्रेस से चुनाव लड़ने वाले अधिकारी अब अपने राजनीतिक महत्वाकांक्षा के चलते सक्रिय हो गए हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा से भी

कई लोगों को टिकट दिया गया था जिसमें से अभी कई चुनाव जीतकर विधायक बन गए हैं। धरसीवा विधानसभा क्षेत्र से रिटायर्ड आईएस अधिकारी गणेश शंकर मिश्रा झंडा लहराकर अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। वे भाजपा कार्यकर्ताओं के यहां उठ बैठ रहे हैं। ज्ञात रहे कि वे वर्तमान में नीति आयोग के उपाध्यक्ष हैं तथा वर्तमान विधानसभा अध्यक्ष के काफी करीबी हैं। इसके चलते वे काफी सक्रिय हो गए हैं। यहां पर वर्तमान में भाजपा के विधायक अनुप शर्मा हैं। इसके अलावा इस समय आरएसएस की शाखाओं में जाने वाले लोगों का रुझान बढ़ता जा रहा हैं। छत्तीसगढ़ विद्युत मंडल के एक एमडी की भी राजनीतिक महत्वाकांक्षा का पता चला है। वे अगला चुनाव लड़ना चाहते हैं, अगर विधायक बन गए तो मंत्री पद पक्का है। इंजीनियर से एमडी के पद पर पहुंचे वे अधिकारी अब अपनी पत्नी को अपने क्षेत्र में सक्रिय कर दिए गए हैं।



फार्मसी शिक्षा और शोध से बदलेगी स्वास्थ्य

व्यवस्था: स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल

फरार खूनी गैंग आखिरकार पुलिस के शिकंजे में आया

■ पहचान बदलकर बचते रहे आरोपी, गांव लौटते ही तिल्दा पुलिस ने घेराबंदी कर दबोचा

रायपुर/ संवाददाता

ग्रामीण के तिल्दा नेवरा थाना क्षेत्र में 3 साल पुरानी सनसनीखेज हत्या के फ्फार आरोपी आखिरकार पुलिस के हत्थे चढ़ गए, ग्राम जलसो के कुख्यात आरोपियों ने वर्ष 2023 में कुंदरु नवासी जितेंद्र पाल को चाकू और लाठी से बेरहमी से मौत के घाट उतार दिया था और वारदात के दौरान उसके पुत्र पर भी प्राणघातक हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया था, इस दबिश् देकर तीनों आरोपियों को धर

आरोपी आशु उईके समेत कुछ आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था लेकिन गिरोह के अन्य सदस्य तीन वर्षों से फ्फार चल रहे थे और पुलिस की नजर से बचने के लिए लगातार अपनी पहचान छिपाकर राज्य बदल-बदलकर ठिकाना बदलते रहे, तिल्दा नेवरा पुलिस इनकी तलाश में लगातार तकनीकी विश्लेषण और मुखबिर नेटवर्क के जरिए नजर बनाए हुए थी, 7 अप्रैल 2026 को पुलिस की सटीक इन्पुट मिला कि फ्फार आरोपी अपने गांव लौटने वाले हैं, सूचना मिलते ही वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में थाना प्रभारी निरीक्षक रमाकान्त तिवारी के नेतृत्व में पुलिस टीमों ने गांव जलसो में रणनीतिक घेराबंदी की और मौके पर दबिश् देकर तीनों आरोपियों को धर

दबोचा। उपलब्धियों की जानकारी साझा की गई। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने सभी प्राचार्यों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यालयों का प्रदर्शन बेहतर बनाने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएं। उन्होंने शिक्षकों के मिलनसार व्यवहार, जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीय नागरिकों से मधुर संबंध तथा शिक्षण में ईमानदारी पर विशेष बल दिया। प्रत्येक छात्र पर व्यक्तिगत ध्यान देने और प्राचार्यों द्वारा कम से कम एक कक्षा लेने का भी निर्देश दिया गया। उन्होंने निर्देशित किया कि विद्यालयों में प्रतिदिन राष्ट्रीय, राष्ट्रागन एवं दीप मंत्र तथा छुट्टी के समय गायत्री मंत्र एवं शान्ति पाठ का आयोजन किया जाए। शनिवार को गतिविधि दिवस के रूप में मनाने, विद्यार्थियों को योग अभ्यास कराने एवं गार्डनिंग व हाउसकीपिंग जैसे कौशल सिखाने हेतु दो समूह अनिवार्य रूप से बनाने की बात कही।

संपादकीय

संपादकीय

कूटनीतिक तकाजे के साथ-साथ मानवीय पहलू से भी देखें, तो होर्मुज जलमार्ग को तल्काल खोलने की जरूरत है, अन्यथा वैश्विक पैमाने पर जिस तरह का ऊर्जा संकट खड़ा होगा, उसकी भरपाई लंबे समय तक नहीं की जा सकेगी। इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि पश्चिम एशिया में युद्ध ईरान और इजराइल-अमेरिका के बीच हो रहा है, लेकिन उसकी मार वैसे देशों को भी झेलनी पड़ रही है, जो किसी भी रूप में जंग में शामिल नहीं हैं। कई देशों में अब हालत यह है कि वहां तेल और गैस की कमी की वजह से आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित होने लगा है।भारत भी उन देशों में से एक है, जहां कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति बाधित होने के कारण आम लोगों को कई तरह की मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। खासतौर पर जब से ईरान ने होर्मुज जलमार्ग को बाधित किया है, तब से कई देशों में कच्चे तेल और गैस की

पश्चिम एशिया युद्ध भारत की चेतावनी-संवाद की कमी खतरनाक

पश्चिम बंगाल, जो कभी सांस्कृतिक चेतना, बौद्धिकता और राजनीतिक परिष्ा का प्रतीक माना जाता था, आज एक ऐसे संक्रमणकाल से गुजर रहा है, जहां लोकतांत्रिक मूल्यों की जड़ें लगातार कमजोर होती प्रतीत हो रही हैं। जैसे-जैसे समय नजदीक आता जा रहा है, वैसे-वैसे राज्य में हिंसा, अराजकता अलोकतांत्रिकता और राजनीतिक असहिष्णुता की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। यह केवल राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का परिणाम नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति घटते सम्मान और कानून व्यवस्था की गिरती स्थिति का भी द्योतक है।

(ललित गर्ग)

नागरिक समाज सक्रिय रूप से लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए आगे नहीं आएगा, तब तक केवल प्रशासनिक उपायों से इस समस्या का समाधान संभव नहीं है। लोकतंत्र केवल चुनावों तक सीमित नहीं होता, बल्कि यह एक सतत प्रक्रिया है जिसमें कानून का शासन, संस्थाओं की स्वतंत्रता और नागरिकों की भागीदारी महत्वपूर्ण होती है।

पश्चिम बंगाल, जो कभी सांस्कृतिक चेतना, बौद्धिकता और राजनीतिक परिपक्वता का प्रतीक माना जाता था, आज एक ऐसे संक्रमणकाल से गुजर रहा है, जहां लोकतांत्रिक मूल्यों की जड़ें लगातार कमजोर होती प्रतीत हो रही हैं। जैसे-जैसे चुनाव का समय नजदीक आता जा रहा है, वैसे-वैसे राज्य में हिंसा, अराजकता अलोकतांत्रिकता और राजनीतिक असहिष्णुता की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। यह केवल राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का परिणाम नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति घटते सम्मान और कानून व्यवस्था की गिरती स्थिति का भी द्योतक है। हाल ही में मालदा जिले में मतदाता सूची पुनरीक्षण अर्थात एएसआर को लेकर जिस प्रकार का असंतोष और तनाव देखने को मिला, वह भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया के प्रति अविश्वास को दर्शाता है। मतदाता सूची में नाम जुड़ना या हटाना एक कानूनी और प्रशासनिक प्रक्रिया है, जिसके लिए स्पष्ट नियम और प्रावधान होते हैं। यदि इस प्रक्रिया को राजनीतिक चरम से देखा जाएगा या प्रशासनिक अधिकारियों पर दबाव बनाया जाएगा, तो निष्पक्ष चुनाव की पूरी प्रक्रिया ही संदिग्ध हो जाएगी। एसएआर प्रक्रिया में बाधक बनते हुए जिसे तरह से न्यायिक अधिकारियों को नौ घंटे तक बंधक बनाए जाने की घटना सामने आयी है, वह न केवल चिंताजनक है बल्कि लोकतंत्र के लिये एक गंभीर चेतावनी भी है। यह उस व्यापक घातक एवं विडम्बनापूर्ण प्रवृत्ति का हिस्सा है, जिसमें प्रशासनिक और न्यायिक तंत्र को भी राजनीतिक दबाव और भीड़तंत्र के आगे झुकने के लिए मजबूर किया जा रहा है। विशेष रूप से यह तथ्य कि बंधक बनाए गए अधिकारियों में महिलाएं भी शामिल थीं, इस घटना को और अधिक गंभीर बना देता है। यह न केवल कानून के शासन पर प्रश्नचिह्न लगाता है, बल्कि समाज में बढ़ती असंवेदनशीलता को भी उजागर करता है।

पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा का इतिहास नया नहीं है। 1960 और 70 के दशक में नक्सल आंदोलन के दौरान हिंसा का जो दौर शुरू हुआ था, उसने राज्य की राजनीतिक संस्कृति को गहराई से प्रभावित किया। इसके बाद वामपंथी शासन के लंबे कालखंड में भी राजनीतिक विरोधियों के प्रति असहिष्णुता और हिंसा की घटनाएं समय-समय पर सामने आती रहीं। सत्ता परिवर्तन के बाद तृणमूल कांग्रेस एवं ममता बनर्जी के शासन में यह प्रवृत्ति समाप्त नहीं हुई, बल्कि नए स्वरूप में सामने आई। यह स्पष्ट संकेत है कि समस्या केवल किसी एक दल या विचारधारा की नहीं, बल्कि पूरे राजनीतिक तंत्र में व्याप्त एक गहरे संकट की है। वर्तमान परिप्रेश्य में, चुनावों के निकट आते ही जिस प्रकार की घटनाएं सामने आ रही हैं, वे लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरे का संकेत देती हैं। मतदाता सूची के पुनरीक्षण जैसे

संवेदनशील कार्य में लगे अधिकारियों को बंधक बनाना यह दर्शाता है कि कुछ तत्व चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। यह केवल कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि मतदाता की स्वतंत्रता और निष्पक्ष चुनाव के अधिकार पर सीधा हमला है।

इस संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट की सक्रियता उल्लेखनीय है। समय-समय पर न्यायालय ने राज्य सरकार को कड़े निर्देश दिए हैं और कानून व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी की याद दिलाई है। किंतु यह भी एक चिंताजनक तथ्य है कि इन निर्देशों पर जमीनी स्तर पर अपेक्षित प्रभाव नहीं दिखाई देता। इससे यह प्रश्न उठता है कि क्या राज्य प्रशासन एवं सत्तारूढ़ पार्टी इन निर्देशों को लागू करने में अक्षम है या इच्छुक नहीं है? यदि सर्वोच्च न्यायालय के



आदेश भी प्रभावी नहीं हो पा रहे हैं, तो यह लोकतंत्र के लिए एक गंभीर चेतावनी है। चुनाव के समय बढ़ती अराजकता के पीछे राजनीतिक बौखलाहट भी एक महत्वपूर्ण कारण हो सकती है। जब किसी दल को अपनी लोकप्रियता में गिरावट का भय होता है, तो वह अक्सर लोकतांत्रिक मर्यादाओं को दरकिनारा कर असंवैधानिक उपायों का सहारा लेने लगता है। पश्चिम बंगाल में भी कुछ ऐसी ही प्रवृत्तियां देखने को मिल रही हैं, जहां सत्तारूढ़ दल के कार्यकर्ताओं पर विपक्ष को डराने, प्रशासनिक कार्यों में बाधा डालने और चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने के आरोप लगते रहे हैं। यदि इन आरोपों में सच्चाई है, तो यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है और लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों के विपरीत है।

नागरिक समाज सक्रिय रूप से लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए आगे नहीं आएगा, तब तक केवल प्रशासनिक उपायों से इस समस्या का

समाधान संभव नहीं है। लोकतंत्र केवल चुनावों तक सीमित नहीं होता, बल्कि यह एक सतत प्रक्रिया है जिसमें कानून का शासन, संस्थाओं की स्वतंत्रता और नागरिकों की भागीदारी महत्वपूर्ण होती है। पश्चिम बंगाल की वर्तमान स्थिति इन सभी पहलुओं पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है। यदि चुनाव प्रक्रिया ही निष्पक्ष और शांतिपूर्ण नहीं रह जाती, तो लोकतंत्र का मूल उद्देश्य ही समाप्त हो जाता है। लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति मतदाता का विश्वास हो रहा है, और यदि मतदाता को यह लगने लगे कि मतदाता सूची, चुनाव प्रक्रिया या प्रशासन किसी राजनीतिक दबाव में काम कर रहा है, तो लोकतंत्र की विश्वसनीयता स्वतः कमजोर होने लगती है। इस पूरे घटनाक्रम में प्रशासनिक नाकामी का प्रश्न भी गंभीरता से सामने आता है। किसी भी राज्य में यदि अधिकारी सुरक्षित



नहीं हैं, न्यायिक अधिकारी तक बंधक बना लिए जाते हैं और पुलिस या प्रशासन समय पर प्रभावी कार्रवाई नहीं कर पाता, तो यह प्रशासनिक तंत्र की कमजोरी का स्पष्ट प्रमाण है। प्रशासन की सबसे बड़ी जिम्मेदारी कानून व्यवस्था बनाए रखना और सरकार कायों को निर्भय वातावरण में संपन्न कराना होता है। यदि प्रशासन यह सुनिश्चित नहीं कर पा रहा है, तो इससे जनता में भय और अविश्वास दोनों बढ़ते हैं। जनता का विश्वास ही किसी सरकार की सबसे बड़ी पूंजी होता है, और जब यही विश्वास डगमगाने लगता है, तो शासन की वैधता पर भी प्रश्नचिह्न लगने लगते हैं।

राजनीतिक दलों की भूमिका भी इस पूरे परिदृश्य में अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। लोकतंत्र में राजनीतिक दल केवल सत्ता प्राप्त करने का माध्यम नहीं होते, बल्कि वे लोकतांत्रिक मूल्यों के संवाहक भी होते हैं। उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे

आज के दौर में समूची दुनिया में तेल और रसोई गैस लोगों के जीवन के सबसे अहम आधार बन चुके हैं। वहीं होर्मुज जलमार्ग के बाधित होने के बाद से ही जिस तरह का ऊर्जा संकट गहराता जा रहा है, उसका भारत पर भी सीधा असर पड़ा है। जाहिर है, अन्य कई देशों की तरह भारत भी इस प्रयास में है कि जितना जल्दी हो, इस संकट का हल निकले और होर्मुज जलमार्ग को खोला जाए। बैठक में भारत ने साफ शब्दों में कहा कि युद्ध खत्म करने के लिए तनाव कम करने और सभी पक्षों के बीच संवाद के रास्ते पर लौटने की जरूरत है। यों भी, आज के दौर में कोई भी युद्ध सिर्फ उन देशों को प्रभावित नहीं करता, जिनके बीच वह लड़ा जा रहा होता है। अब यह वैश्विक चिंता का सवाल बन चुका है कि इजराइल और अमेरिका के साझा हमले के बाद ईरान ने रणनीतिक मोर्चे पर जो रख अख्तियार किया है,

उसका खमियाजा अब दुनिया के कई देशों को भुगतना पड़ रहा है। संभव है कि अमेरिका और इजराइल को जवाब देने के लिए ईरान ने हमलों के अन्य मोर्चों के साथ-साथ होर्मुज जलमार्ग को बाधित किया हो, लेकिन जो देश इस युद्ध में किसी भी पक्ष में नहीं हैं, अगर उन्हें इसकी मार झेलनी पड़ रही है और आम लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी पर विपरीत असर पड़ रहा है, तो इसे कैसे देखा जाएगा। विडंबना यह है कि ईरान और इजराइल-अमेरिका के बीच जारी युद्ध में संवाद को लेकर फिलहाल किसी भी पक्ष में कोई उत्साह नहीं दिख रहा है। मगर कूटनीतिक तकाजे के साथ-साथ मानवीय पहलू से भी देखें, तो होर्मुज जलमार्ग को तल्काल खोलने की जरूरत है, अन्यथा वैश्विक पैमाने पर जिस तरह का ऊर्जा संकट खड़ा होगा, उसकी भरपाई लंबे समय तक नहीं की जा सकेगी।

विश्व शांति संकट- क्यों युद्ध और संघर्ष आज भी मनुष्य की प्राथमिकता हैं

(रितुप्रिया शर्मा)

मानव जीवन संघर्ष, प्रेम, शांति, इच्छाशक्ति और दूरदर्शिता का एक अनूठ उदाहरण है। मनुष्य को मनुष्यता इसी में है कि वह बिना किसी भय के, बिना किसी को नुकसान पहुंचाए अपना जीवन जी सके और दूसरे को भी जीने दे। मगर आज की संस्कृति में अशांति के तत्त्व की प्रधानता होती जा रही है। न तो मनुष्य के व्यक्तिगत जीवन में कहीं शांति है, न ही राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कहीं शांति की किरण नजर आती है। हर तरफ संघर्ष का शोर सुनाई देता है। युद्ध और टकराव को ही सबसे आखिरी हल मान लिया गया है। जबकि वास्तविकता यह है कि किसी भी प्रश्न या समस्या का समाधान शांति ही है। शांति कोई असाधारण या अप्राप्य बात नहीं है। यह बहुत साधारण है, लेकिन इसे प्राप्त करने के लिए मनुष्य को अपने आप में धीरज, प्रेम और भाईचारे के भाव को उत्पन्न करना होता है। मनुष्य की इर्ष्या ही उसके इन भावों को बाहर आने से रोकती है और धीरे-धीरे न केवल वह खुद को शांति भंग करता है, बल्कि अपने आसपास की भी शांति को भंग करने लगता है। तात्कालिक तौर पर उसे जरूर लग सकता है कि अपनी मर्जी से वह जो कर रहा है, उससे उसे शांति मिल रही है, लेकिन वही वास्तव में उसके जीवन की अशांति का प्रबंध भी हो सकता है। यह ध्यान रखने की जरूरत होती है कि अगर किसी मोहल्ले में आग लगती है, तो उसकी आंच और आग हमारे दरवाजे तक कभी भी आ सकती है।

दुनिया में जितने भी धर्म हैं, उन सबने शांति का ही पाठ पढ़ाया है और यह एक ऐसा पाठ है, जो अहिंसा के माध्यम से ही प्राप्त किया जा सकता है। गांधी से लेकर नेल्सन मंडेला तक, गैतान बुद्ध से लेकर महावीर स्वामी तक, यहाँ तक कि कलिंग युद्ध के बाद महान सम्राट अशोक ने भी शांति के मार्ग को ही अपनाया। युद्ध, पीड़ा, लालसा, सब कुछ प्राप्त करने की होड़ मनुष्य को सही राह पर लेकर नहीं जाती, बल्कि इसके उलट उसे विनाश के कगार पर ले जाने में सक्षम है।

सवाल है कि शांति की इस स्थापित अहमियत और बड़े-बड़े प्रतीक महापुरुषों की शांति के लिए क्वालर के बावजूद आज मनुष्य शांति के बजाय युद्ध को लेकर इतना उत्कला क्यों रहता है। आज विश्व जिन आफतों से जुझ रहा है, ये सभी तत्कालीन मनुष्य की ही निर्मात्रता की हूँ हैं। अपने आप को श्रेष्ठ कहलवाना, शक्ति को सर्वेसर्वा बना देना, मनुष्य को मनुष्य न समझकर उनकी जान की कोई कीमत नहीं अंकना, ये सभी बातें मनुष्यता के खिलाफ हैं। द्वितीय विश्वयुद्ध से आज तक अनेक युद्ध लड़े गए, देशों ने हथियारों का विकास किया। इसमें आणविक हथियार भी शामिल थे, लेकिन डर अब इस बात का हो गया है कि कहीं कोई परमाणु शक्ति से संपन्न देश किसी अन्य देश के खिलाफ इन्का इस्तेमाल न करे। बहुत सारे देशों ने परमाणु निस्स्त्रीकरण के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किया हुआ है। इसके बावजूद परमाणु हथियार बनाने की होड़ बढस्तूर जारी है।

बड़े राष्ट्रों के डर से छोटे राष्ट्र भी अपने आप को परमाणु शक्ति संपन्न बनाने में जुट रहे हैं। बड़े

राष्ट्रों का कहना है कि वे किसी अन्य राष्ट्र को परमाणु हथियार नहीं बनाने देंगे। वहीं छोटे राष्ट्र अपने बचाव के लिए अपने आपको परमाणु शक्ति संपन्न बनाना चाहते हैं और यहीं से शुरू होती है विश्व में हथियारों की होड़, अशांति का माहौल और आम जनता की पीड़ा। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच युद्ध इसी बात को उजागर करता है कि कमजोर अपने आपको मजबूत बनाना चाहता है और मजबूत अपने से कमजोर लोगों को मजबूत होते हुए नहीं देखना चाहता। यह बात सही है कि परमाणु ऊर्जा का सदुपयोग होना चाहिए, न कि हथियारों की होड़ में इसका उपयोग। इसका मतलब यह नहीं है कि हम किसी संप्रभु राष्ट्र पर आक्रमण कर दें। ये मुद्दे शांति और भाईचारे से भी सुलझाए जा सकते हैं। बड़े राष्ट्रों को चाहिए कि वे छोटे देशों को अक्षुस्त करें कि वे कभी भी उन पर आक्रमण नहीं करेंगे और उनको अपनी सुरक्षा के लिए आणविक हथियारों की ओर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

जापान के हिरोशिमा-नागासाकी शहरों पर परमाणु बम गिराने से उजजी त्रासदी का उदाहरण हमारे सामने है, जिसका प्रभाव आज भी देखने को मिलता है। क्या हम यह चाहते हैं कि विश्व वही स्थिति दोबारा देखे, जो उस वक हूँ थी।

हममें से कोई भी यह नहीं चाहता कि विश्व में अशांति और असुरक्षा का माहौल पनपे और लगातार युद्धों की राजनीति में रहें अपने आपको झोंक दें। इससे न केवल समय और धन नष्ट होता है, बल्कि लोगों की जिंदगी अस्त-व्यस्त हो जाती है। वर्षों से पाया हुआ राष्ट्रीय कामगार पराशरी हो सकता है। हमें चाहिए कि हम अपनी लालसा को नियंत्रित करें, चाहे वह व्यक्तिगत रूप से हो या राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर। हमें अपने अंदर की इस कमी को दूर करना ही होगा। वरना भविष्य में मनुष्य जाति के सामने संकट और ज्वादा बढ़ा हो सकता है। आने वाली पीढ़ियों को हम ऐसा जीवन देकर जाएँगे, जो संसारबिहीन होगा और उनकी प्रगति के सारे रास्ते बंद हो जाएँ।

इसलिए हमें चाहिए कि हम व्यक्तिगत स्तर पर आपसी संघर्ष से और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गृहयुद्धों और महायुद्धों से दूर रहें, ताकि सभी लोग मिल-जुलकर तरक्की कर सकें और विश्व को शांति रूची समाधान दे सकें।

वक्त जितनी तेजी से आगे भाग रहा है, उतनी ही तेजी से शायद समाज और लोगों की जीवनशैली में बदलाव भी हो रहा है। दो-ढाई दशक पहले तक ग्रामीण इलाकों में होने वाले शादी समारोहों में तस्वीर बिल्कुल अलग होती थी। वहाँ बातें मनुष्यता के खिलाफ हैं। द्वितीय विश्वयुद्ध से आज तक अनेक युद्ध लड़े गए, देशों ने हथियारों का विकास किया। इसमें आणविक हथियार भी शामिल थे, लेकिन डर अब इस बात का हो गया है कि कहीं कोई परमाणु शक्ति से संपन्न देश किसी अन्य देश के खिलाफ इन्का इस्तेमाल न करे। बहुत सारे देशों ने परमाणु निस्स्त्रीकरण के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किया हुआ है। इसके बावजूद परमाणु हथियार बनाने की होड़ बढस्तूर जारी है।

बड़े राष्ट्रों के डर से छोटे राष्ट्र भी अपने आप को परमाणु शक्ति संपन्न बनाने में जुट रहे हैं। बड़े

भारत की जल समस्या केवल ‘कितना पानी है’ का सवाल नहीं, बल्कि ‘कैसा पानी है’ का भी सवाल

इसमें दोराय नहीं कि बाध, नहर, पाइपलाइन और बोरेवेल आवश्यक हैं, लेकिन वे अकेले समाधान नहीं हैं। अब जरूरत इस बात की है कि जल नीति आपूर्ति बढ़ाने से आगे बढ़ कर मांग-प्रबंधन, जल गुणवत्ता, पुनर्भरण, पुनर्चक्रण और स्थानीय जल शासन पर जोर दे। इसी संदर्भ में राष्ट्रीय जल नीति में संशोधन की चर्चा महत्त्वपूर्ण हो जाती है। लंबे समय से यह महसूस किया जा रहा है कि वर्ष 2012 में अद्यतन हुई नीति अब मौजूदा चुनौतियों के लिए पर्याप्त नहीं है।

(अलका सोनी)

हम सभी यह सुनते और जानते हुए बड़े हुए हैं कि जल है तो जीवन है। इसके बावजूद जल का अपव्यय करते हैं। जिस गति से संचय करने की बात की जाती है, उससे कई गुना पानी की बर्बादी होती है। कहीं भी सड़कों पर पानी बहते हुए देखा जा सकता है। यही कारण है कि भारत में जल संकट अब भविष्य की चेतावनी नहीं, वर्तमान की कठोर सच्चाई है। देश के अनेक हिस्सों में भूजल सतह नीचे जा चुका है, नदियां प्रदूषण से बेहाल हैं। शहरों की जल आपूर्ति व्यवस्था दबाव में है। लोग पानी के लिए घंटों इंतजार में खड़े रहते हैं। जलवायु परिवर्तन ने वर्षा को भी इतना अनिश्चित बना दिया है कि कहीं बाढ़ और कहीं सूखा एक साथ दिखाई देता है। समस्या केवल पानी की कमी की नहीं है, असली संकट यह है कि प्रकृति की अपनी सीमाएं हैं। जल संचय के लिए बनी नीतियों की धीमी गति और समाज के असंतुलित जल-व्यवहार के बीच आज भारत बुरी तरह उलझता जा रहा है।

भारत में जल संकट इसलिए भी जटिल है, क्योंकि यहां पानी का सवाल सिर्फ पर्यावरण का नहीं, बल्कि कृषि, स्वास्थ्य, शहरीकरण, सामाजिक न्याय और शासन-व्यवस्था सबसे जुड़ा है। भूजल पर भारत की निर्भरता बहुत गहरी है। केंद्रीय भूजल बोर्ड और सरकार द्वारा जारी नवीनतम आकलन के अनुसार, वर्ष 2025 में देश की कुल वार्षिक भूजल पुनर्भरण क्षमता 448.52 बिलियन क्यूबिक मीटर (अर्थात आठ अरब, छह बिलियन क्यूबिक मीटर) 247.22 बिलियन क्यूबिक मीटर रही। पहली नजर में यह संतुलित लग सकता है, लेकिन सच यह है कि राष्ट्रीय औसत के भीतर क्षेत्रीय असंतुलन छिपा हुआ है। कई इलाके ऐसे हैं जहां निकासी सुरक्षित

सीमा के आसपास या उससे ऊपर है, जबकि दूसरे क्षेत्रों में संसाधन अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति में हैं। यही वजह है कि जल संकट पूरे देश में एक समान नहीं, बल्कि कई रूप में सामने आता है।

इसमें दोराय नहीं कि बाध, नहर, पाइपलाइन और बोरेवल आवश्यक हैं, लेकिन वे अकेले समाधान नहीं हैं। अब जरूरत इस बात की है कि जल नीति आपूर्ति बढ़ाने से आगे बढ़ कर मांग-प्रबंधन, जल गुणवत्ता, पुनर्भरण, पुनर्चक्रण और स्थानीय जल शासन पर जोर दे। इसी संदर्भ में राष्ट्रीय जल नीति में संशोधन की चर्चा महत्त्वपूर्ण हो जाती है। लंबे समय से यह महसूस किया जा रहा है कि वर्ष 2012 में अद्यतन हुई नीति अब मौजूदा चुनौतियों के लिए पर्याप्त नहीं है। जल संसाधन मंत्रालय के दस्तावेजों में भी यह स्वीकार किया गया है कि कम जल-उपयोग दक्षता, भूजल पर बढ़ता दबाव, जलवायु परिवर्तन, अपशिष्ट जल के दोबारा उपयोग और फसल-पद्धति जैसे मुद्दों को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय जल नीति के पुनरीक्षण की जरूरत पड़ी। मिहिर शाह समिति इसी उद्देश्य से गठित की गई थी।

बुनियादी सवाल यह है कि जब संकट इतना स्पष्ट है, तो सुधार की गति इतनी धीमी क्यों है! इसका उत्तर भारत की संघीय संरचना और जल शासन की जटिलता में छिपा है। जल राज्यों का विषय है। केंद्र दिशा दे सकता है, योजनाएं बना सकता है, वित्तीय सहायता दे सकता है, पर वास्तविक क्रियान्वयन राज्यों, स्थानीय निकायों और विभागीय तंत्र के माध्यम से ही होता है। यही कारण है कि राष्ट्रीय स्तर पर अच्छी नीयत से बनाई गई नीतियां भी जमीन तक पहुंचते-पहुंचते धीमी पड़ जाती हैं। ऊपर से पानी का प्रश्न राजनीतिक रूप से संवेदनशील भी है। मुफ्त या सस्ती बिजली, सिंचाई, शहरी जलापूर्ति, उद्योगों की जरूरतें और राज्यों के जल विवाद ये सब

मिल कर निर्णय को कठिन बना देते हैं।

कृषि इस बहस के केंद्र में है, क्योंकि भारत में जल उपयोग का सबसे बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र में होता है। मगर कृषि को दोष देकर समस्या हल नहीं होगी। असल बात यह है कि दशकों से नीतिगत



ढांचा ही ऐसे फसल को बढ़ावा देता रहा है जो कई क्षेत्रों में जल-उपलब्धता के अनुकूल नहीं है। जल पानी सीमित है, वहां भी धन-उपलब्धता के अनुसार, मिशन की खेती जारी रहती है, जिसमें पानी की अधिक जरूरत होती है। इस परिस्थिति में यदि जल संरक्षण की बात की जाए, तो किसानों को विकल्प, तकनीक, सिंचाई, बाजार और मूल्य का आश्वासन भी देना होगा।

समस्या का दूसरा बड़ा कारण जल गुणवत्ता है। कई बार पानी

उपलब्ध होता है, पर सुरक्षित नहीं होता। केंद्रीय भूजल बोर्ड की 2025 की वार्षिक भू-जल गुणवत्ता रपट और संसद में सरकार द्वारा साझा जानकारी बताती है कि परीक्षण के लिए एकत्रित 28.3 फीसद नमूनों में नाइट्रेट, फ्लोराइड और आर्सेनिक जैसी समस्याएं अभी भी गंभीर हैं। दिसंबर 2025 में साझा आंकड़ों के अनुसार 2024 के नमूनों में 3,415 में से 123 नमूनों में आर्सेनिक और 2,537 में से 24 नमूनों में सीसा अनुमेय सीमा से अधिक पाया गया। इसका मतलब साफ है कि भारत की जल समस्या केवल 'कितना पानी है' का प्रश्न नहीं, बल्कि 'कैसा पानी है' का भी प्रश्न है।

शहरी भारत में भी स्थिति कम चिंताजनक नहीं है। तेजी से

बढ़ते शहरों ने अपने स्थानीय जलस्रोतों जैसे तालाबों, झीलों, नालों और जलग्रहण क्षेत्रों को या तो पाट दिया है या उपेक्षित छोड़ दिया है। नतीजा यह हुआ कि शहर अब दूरदराज के स्रोतों, गहरे बोरेवेल और टैंकरों पर निर्भर होते गए। यह व्यवस्था महंगी है और असमान भी। धनदृढ़ इलाके में लोग पानी खरीद लेते हैं, लेकिन गरीब बस्तियां अनिश्चित आपूर्ति पर निर्भर रहती हैं। शहरों में सीवर और औद्योगिक अपशिष्ट का पर्याप्त शोधन न होने के कारण सतही जल स्रोत और भूजल दोनों प्रभावित होते हैं। यानी शहर अपने लिए पानी खींचते भी हैं और उसे प्रदूषित भी करते हैं। यह दोहरा दबाव भविष्य को शहरी जल सुरक्षा को और अधिक नाजुक बनाता है।

ग्रामीण भारत में तस्वीर अलग होते हुए भी उतनी ही गंभीर है। पिछले कुछ वर्षों में जल जीवन मिशन ने ग्रामीण पेयजल आपूर्ति के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। जनवरी 2026 के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, मिशन के तहत 81.57 फीसद से अधिक ग्रामीण परिवारों को नल से जल दिया जा चुका है। यह उपलब्धि छेटी नहीं है। वर्ष 2019 में जहां केवल सीमित हिस्से तक नल-जल पहुंचा था, वहीं अब स्थिति काफी बदली है। मगर चुनौती यहीं

समाप्त नहीं होती। पाइप के जरिए पानी देना एक बात है, नियमित, पर्याप्त और सुरक्षित जल आपूर्ति सुनिश्चित करना दूसरी बात है। कार्यक्रमता आकलन रपट भी इस बात की ओर संकेत करती है कि 'कनेक्शन' और 'भरोसेमंद सेवा' में फर्क है।

यही वजह है जहां समाज की भूमिका बहुत अहम हो जाती है। भारत में पानी को अब भी असीमित संसाधन की तरह बरतने की प्रवृत्ति व्यापक है। घरों में अपव्यय, कालोनियों में वर्षाजल संचयन की उपेक्षा, भूजल के अनियंत्रित दोहन और स्थानीय जलस्रोतों के प्रति उदासीनता ये सब मिल कर संकट को गहरा करते हैं। दूसरी ओर, यही समाज समाधान का आधार भी बन सकता है। जहां पंचायतें, मोहल्ले, किसान समूह, स्वयंसेवी संस्थाएं और स्थानीय प्रशासन मिल कर जलस्रोतों के पुनर्जीवन, तालाबों की मरम्मत और फसलों के विविधीकरण जैसे उपाय करते हैं, वहां परिणाम अधिक टिकाऊ दिखते हैं। नीतियां तभी सफल होती हैं, जब समाज उसे अपना कार्यक्रम समझे, केवल सरकार योजना नहीं। हाल के वर्षों में जल बजट पर भी जोर बढ़ा है, जो इस दिशा में उपयोगी कदम हो सकते हैं।

पानी का संकट दुनिया भर में गहराता जा रहा है। भारत भी इससे अछूता नहीं है। आधिकारिक रिपोर्ट के मुताबिक पृथ्वी पर कुल उपलब्ध पानी का 97.5 फीसदी हिस्सा समुद्री है, बाकी 2.5 फीसदी हिस्सा मीठा जल है, लेकिन इसका भी काफी मात्रा प्रदूषित है, जो पीने योग्य नहीं है। एक अनुमान के अनुसार कुल जल का केवल एक फीसदी हिस्सा ही पीने योग्य है, जो दुनिया की आबादी के लिहाज से बहुत कम है। ऐसे में जल संकट भयावह होता जा रहा है। भारत सरकार का जल शक्ति मंत्रालय, जल प्रबंधन और संरक्षण खास तौर पर वर्षा जल संरक्षण के लिए कदम उठा रहा है, और इस दिशा में कई तरह के प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन अब भी परिणाम अपेक्षा के अनुरूप नहीं है। जल शक्ति मंत्रालय को लोगों को पेयजल उपलब्ध कराने सहित पानी के दूसरे मुद्दों से निपटने की जिम्मेदारी दी गई है। इसके लिए विभाग ने कई महत्वाकांक्षी योजनाएं बनाई हैं, इसमें सबसे प्रमुख 2024 तक भारत के हर घर में पाइप से पानी के कनेक्शन उपलब्ध कराने की योजना है।

वास्तु शास्त्र में हाथी को सौभाग्य, सुरक्षा और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। अगर घर में वास्तु दोष के कारण परेशानियाँ, आर्थिक रुकावटें या कलह बढ़ रही हैं, तो सही धातु का हाथी रखना एक प्रभावी उपाय हो सकता है। हाथी की सूँढ़, दिशा और धातु का चुनाव सही होने पर वास्तु दोष कम होता है और घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। आइए जानते हैं कि वास्तु के अनुसार किस धातु का हाथी रखना चाहिए और इसके नियम क्या हैं।

वास्तु दोष से राहत के लिए किस धातु का घर में रखें हाथी

वास्तु विशेषज्ञों के अनुसार, चांदी, पीतल या संगमरमर का हाथी घर के लिए सबसे शुभ माने जाते हैं।

वास्तु में हाथी का महत्व

हाथी वास्तु शास्त्र में गज के रूप में जाना जाता है, जो लक्ष्मी और गणेश दोनों से जुड़ा है। घर में हाथी रखने से धन, सुख, सम्मान और सुरक्षा बढ़ती है। यह नकारात्मक ऊर्जा को रोकता है और परिवार में स्थिरता लाता है। लेकिन हाथी को गलत धातु या गलत दिशा में रखने से उल्टा प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए सही चुनाव बहुत जरूरी है।

संगमरमर (मार्बल) का हाथी

यह शुद्धता और स्थिरता का प्रतीक है। यदि बजट कम हो तो संगमरमर का हाथी भी रखा जा सकता है, लेकिन चांदी या पीतल बेहतर विकल्प है।

चांदी का हाथी

यह सबसे उत्तम माना जाता है। चांदी चंद्रमा से संबंधित है, जो शांति, मानसिक स्थिरता और मातृत्व का कारक है। चांदी का हाथी रखने से घर में सुख-शांति बनी रहती है और वैवाहिक जीवन मधुर होता है।

पीतल का हाथी

पीतल सूर्य और गुरु का प्रतिनिधित्व करता है। यह धन, सम्मान और उन्नति बढ़ाता है। व्यापारियों और नौकरीपेशा लोगों के लिए पीतल का हाथी बहुत लाभकारी है।

वास्तु शास्त्र और पारंपरिक मान्यताओं के अनुसार किचन सिर्फ खाना बनाने की जगह नहीं होती, बल्कि यह घर की सेहत, समृद्धि और लक्ष्मी का स्थान मानी जाती है। ऐसे में यहां चीजें वास्तु के मुताबिक रखनी चाहिए।



किचन में ना रखें ये 5 चीजें

घर में छा जाती है नकारात्मकता

किचन से जुड़े वास्तु नियम

अगर रसोई में गलत या बेकार चीजें रखी हों, तो इससे नकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और धन व सेहत पर असर पड़ सकता है। इसलिए किचन को साफ-सुथरा और व्यवस्थित रखना बहुत जरूरी है। अगर आपकी रसोई में बेकार, टूटे-फूटे या इस्तेमाल में न आने वाले सामान रखे हैं, तो उन्हें तुरंत हटा देना चाहिए। आइए जानते हैं कि वास्तु के मुताबिक किचन में क्या नहीं रखना चाहिए।

टूटे या जले हुए बर्तन

अगर किचन में जला हुआ तवा, टूटा पतिला या दरार वाला बर्तन रखा है, तो यह अच्छा नहीं माना जाता। इससे घर में नकारात्मकता बढ़ती है और

पैसें की दिक्कत हो सकती है। साथ ही घर में तनाव और झगड़े भी बढ़ सकते हैं।

पुराना या बार-बार इस्तेमाल किया हुआ तेल

एक ही तेल को बार-बार इस्तेमाल करना सेहत के लिए नुकसानदायक होता है। साथ ही वास्तु के अनुसार यह नकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाता है। इससे घर का माहौल खराब हो सकता है और खर्च भी बढ़ सकते हैं।

पुराने मसाले और सड़ा हुआ अनाज

अगर किचन में एक्सपायर या खराब हो चुका सामान रखा है, तो यह घर में रुकी हुई ऊर्जा का संकेत होता है। इससे पैसें की परेशानी और गंदगी

बढ़ सकती है। इसलिए समय-समय पर किचन की सफाई और बेकार चीजों को हटाना जरूरी है।

झाड़ू और पोछा

किचन को बहुत पवित्र जगह माना जाता है। यहां झाड़ू या गंदा पोछा रखना अशुभ माना जाता है। इससे लक्ष्मी नाराज हो सकती है और घर में आर्थिक परेशानी आ सकती है।

दवाइयां, बिल और कागज रखना

किचन में खाने के अलावा दूसरी चीजें जैसे दवाइयां, बिल या कागजात रखना सही नहीं माना जाता। इससे अव्यवस्था बढ़ती है और नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

वास्तु के अनुसार हाथी रखने की दिशा बहुत महत्वपूर्ण है :

मुख्य द्वार पर : हाथियों का जोड़ा रखें, सूँढ़ अंदर की तरफ हो। इससे सुरक्षा और सकारात्मक ऊर्जा प्रवेश करती है।
बेडरूम में : दक्षिण-पश्चिम या उत्तर-पश्चिम दिशा में रखें। इससे वैवाहिक सुख बढ़ता है।

पूजा घर या झोंड़गं रुम में : उत्तर-पूर्व या पूर्व दिशा में रखना शुभ है।
सूँढ़ की दिशा : सौभाग्य के लिए सूँढ़ ऊपर की ओर होनी चाहिए। संतान सुख के लिए सूँढ़ नीचे की ओर हो सकती है।

हाथी रखते समय जरूरी नियम

हमेशा हाथियों का जोड़ा रखें। अकेला हाथी रखना अशुभ माना जाता है। हाथी को नियमित रूप से साफ करें और घूल-मिट्टी से मुक्त रखें। वास्तु नियमों के अनुसार, हाथी को कभी भी बेड के ठीक सामने या फर्श पर सीधे ना रखें। उचित ऊंचाई वाली टेबल या अलमारी पर रखें। यदि हाथी टूट जाए या खराब हो जाए, तो उसे तुरंत घर से बाहर कर दें।



आईलाइनर तो ज्यादातर लड़कियां लगाती हैं लेकिन फिर भी आंखें खूबसूरत नहीं दिखतीं। इसका कारण है गलत तरीके से लगाना। सारे मेकअप प्रोडक्ट में सबसे ट्रिकी पार्ट आई मेकअप होता है। क्योंकि इसे लगाने के लिए आपको एक्सपर्ट होना जरूरी है। सही शेप और विंग की लाइन परफेक्ट नहीं होगी तो वैसे भी आई मेकअप बुरा दिखेगा। ऊपर से अगर आई शेप का ध्यान ना रखा जाए तो सही तरीके से लगा लाइनर भी आंखों की खूबसूरती को बढ़ा नहीं पाएगा। ऐसे में हर लड़की जो आंखों पर आईलाइनर लगाती है और लगाना पसंद करती है, उसे अपनी आई शेप का जरूर पता होना चाहिए। और साथ ही यह भी जानना कि कौन से शेप में लाइनर आंखों की खूबसूरती को बढ़ाएगा।



आईशेप के अनुसार चुनें परफेक्ट आईलाइनर

राउंड आईज पर कैसे लगाएं आईलाइनर

अगर आपकी राउंड आईज है तो इस तरह की आंखों पर थोड़ा थिक लाइनर लगाएं, जो थोड़ा लंबा हो। बैसिकली विंग आईलाइनर सबसे ज्यादा खूबसूरत राउंड आईज पर ही लगता है।

हुडेड आईज

हुडेड आईज में मेकअप सबसे ट्रिकी माना जाता है। क्योंकि इस तरह की आईज

में आंखों की ऊपर की रिक्कन उभरी होती है। इस तरह की हुडेड आईज में जब भी लाइनर लगाना हो तो लाइनर बिल्कुल पतला रखें और जो विंग बनाएं उसे थोड़ा ऊपर की तरफ लिफ्ट करके बनाएं। जिससे आंखों की खूबसूरती निखरकर दिखेगी।

बादाम शेप आईज (आमंड शेप आईज)

इस तरह की आईज है तो आई मेकअप बहुत खूबसूरत बन सकता है। क्लासिक विंग आईलाइनर इस तरह की आईज पर

सबसे ज्यादा सुंदर दिखता है। आंखों के इनर कॉर्नर से लेकर बाहरी कोनों तक थोड़ा लिफ्ट करके लगाएं।

डाउन टर्न आईज

अगर आंखों का शेप डाउन टर्न यानी इनर कॉर्नर की तरफ झुका हुआ है तो इस तरह के आई शेप पर लाइनर मिडिल से स्टार्ट करें और थोड़ा ऊपर की तरफ लिफ्ट करते हुए विंग बनाएं।

आज का राशिफल



मेघ राशि - आज का दिन आपके लिए बहुत ही अच्छा रहने वाला है। स्थितियां आपके पक्ष में रहेंगी और लंबे समय से सोची हुई कोई इच्छा पूरी हो सकती है। व्यापारी वर्ग के लिए दिन लाभदायक है और बिजनेस के सिलसिले में यात्रा के योग हैं।

वृषभ राशि - आज का दिन थोड़ा खर्चीला हो सकता है। जीवनसाथी के साथ शांति पर जाने से बजट प्रभावित हो सकता है। आर्थिक मामलों में दिन थोड़ा कमजोर है। कामकाज में सहयोग मिलेगा, लेकिन अति आत्मविश्वास से बचें। वैवाहिक जीवन में हल्का तनाव संभव है।

मिथुन राशि - आर्थिक रूप से आज का दिन आपके पक्ष में है। आमदनी अच्छी रहेगी और व्यापार में लाभ के योग हैं। प्रेम जीवन बिता रहे लोगों के लिए दिन शानदार है, पार्टनर के साथ डिनर डेट का प्लान बन सकता है। संतान की ओर से कोई बड़ी खुशी मिल सकती है।

कर्क राशि - आज का दिन सामान्य रहेगा लेकिन पेशेवर व्यक्तियों के लिए बहुत अनुकूल है। काम में व्यस्तता बनी रहेगी। माता के प्रति विशेष लगाव महसूस करेंगे। जमीन-जायदाद से जुड़ी कोई बातचीत घर में चल सकती है जिससे भविष्य में लाभ होगा।

सिंह राशि - आज विदेश से जुड़ा कोई शुभ समाचार मिल सकता है। काम के सिलसिले में लंबी यात्रा के योग हैं। प्रॉपर्टी में निवेश के लिए दिन अच्छा है। विरोधियों से सावधान रहने की जरूरत है। संक्रामक रोगों जैसे खांसी-जुकाम से बचकर रहें।

कन्या राशि - तनाव को खुद पर हावी न होने दें, अन्यथा इसका असर आपके कारोबार पर पड़ सकता है। खुद पर भरोसा रखकर काम करें। आज आपको ससुराल जाने का मौका मिल सकता है। मानसिक शांति बनाए रखने के लिए योग और ध्यान का सहारा लें।

तुला राशि - आज का दिन खुशियों भरा है। नौकरी में प्रमोशन या व्यापार में बड़े लाभ के योग बन रहे हैं। जीवनसाथी आपके कार्यों में मददगार साबित होगा और उनकी सलाह व्यापार के लिए फायदेमंद रहेगी। निजी जीवन में रोमांस बना रहेगा।

वृश्चिक राशि - आज का दिन मिला-जुला रहेगा। किसी से कर्ज लेने से बचें, यह भविष्य में परेशानी पैदा कर सकता है। खर्चों में बढ़ोतरी होगी। हालांकि, मानसिक रूप से आप मजबूत रहेंगे और कार्यक्षेत्र में सीनियर्स का सहयोग मिलेगा।

धनु राशि - आज आप अपने दिल की बात पार्टनर से साझा कर सकते हैं। बच्चों की तरफ से सरप्राजिस मिल सकता है। आमदनी में वृद्धि होने से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। नौकरीपेशा लोग बदलाव के बारे में सोच सकते हैं जो भविष्य के लिए अच्छा रहेगा।

मकर राशि - प्रॉपर्टी से जुड़ी कोई बड़ी खबर मिल सकती है। घर खरीदने की योजना सफल होने के योग हैं। कार्यक्षेत्र में आप निडर होकर अपनी बात रखेंगे। परिवार में आपसी तालमेल बहुत अच्छा रहेगा और माता का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा।

कुंभ राशि - आत्मविश्वास बहुत ऊंचा रहेगा, जिससे आप जोखिम भरे निर्णय ले पाएंगे। हालांकि, निवेश करते समय सावधानी बरतें। जीवनसाथी के साथ अहंकार का टकराव हो सकता है, शांति बनाए रखें। सहकर्मियों से ऑफिस में बेहतर प्रदर्शन करेंगे।

मीन राशि - आज का दिन बहुत शुभ है। आर्थिक लाभ के प्रबल योग हैं। धन संचय की योजनाओं या बड़ी पॉलिसी में निवेश कर सकते हैं। परिवार में नया वाहन या प्रॉपर्टी खरीदने पर चर्चा हो सकती है। भाग्य का साथ मिलने से बिगड़े काम बनेंगे।

- ज्योतिष गुरु पंडित अतुल शास्त्री

ग्लो

इंग स्किन के लिए हम क्या कुछ नहीं करते। कभी यूटी इन्फ्लूएंसर्स के बताए हुए महंगे स्किन केयर प्रोडक्ट्स खरीद लेते हैं, तो कभी कोई भी रैंडम नुस्खा ट्राई कर लेते हैं। लेकिन रिजल्ट खास कुछ मिलते नहीं, ये बात आप भी जानते हैं। स्टाइलीश से अगर स्किन पर पिगमेंटेशन है, तब तो ज्यादातर चीजों का कोई खास असर स्किन पर नहीं दिखता।

अगर आपके फेस पर डार्क स्पॉट्स हैं, ग्लो गायब हो गया है या टैलिंग की वजह से स्किनटोन डल होती जा रही है, तो मुलेठी का ये नाइट सिरम आपको जरूर ट्राई करना चाहिए। आयुर्वेदिक डॉक्टर शोभना ने इसकी सिंपल सी रेसिपी शेयर की है, जिसका रिजल्ट आपको महज चौदह दिनों में ही दिखना शुरू हो जाएगा।

ग्लोइंग स्किन पाने के जरूरी उपाय

ग्लोइंग और बेदाग स्किन के लिए बनाएं ये नाइट सिरम

अगर आपको ग्लोइंग और बेदाग स्किन चाहिए वो भी बिना महंगे स्किन केयर प्रोडक्ट्स यूज किए, तो ये बिल्कुल पॉसिबल है। आपको बस एक नाइट सिरम तैयार करना है, तो काफी सरस्ते में बन जाएगा। इसके लिए आपको मुलेठी, गुलाब जल, ग्लिसरीन, एलोवेरा जेल और विटामिन ई कैप्सूल की जरूरत होगी। ये सब आपको आसानी से ऑनलाइन या ऑफलाइन भी मिल जाएगा। तो चलिए फटाफट जानते हैं इसे बनाना कैसे है।

ग्लोइंग स्किन के लिए ऐसे बनाएं मुलेठी का नाइट सिरम

नाइट सिरम बनाने के लिए सबसे पहले एक कांच की छोटी सी शीशी लें। इसमें एक मुलेठी की रीटक डालें। अब इसमें 6-7 चम्मच शुद्ध गुलाब जल एड करें, साथ में एक चम्मच ग्लिसरीन भी मिलाएं। इसके बाद दो चम्मच एलोवेरा जेल और विटामिन ई की कैप्सूल काट कर इसमें मिलाएं। सभी

चीजें आपस में अच्छी तरह मिलाएं। आपका मुलेठी नाइट सिरम बनकर तैयार है।



गट हेल्थ के लिए

फायदेमंद- गर्मियों में शरीर में पानी की कमी पैदा न हो, इसलिए खरबूजे का सेवन करने की सलाह दी जाती है। लेकिन डिहाइड्रेशन से बचाव के अलावा भी खरबूजा गट हेल्थ के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है। अगर आप कब्ज की समस्या से छुटकारा पाना चाहते हैं, तो फाइबर और पानी से भरपूर खरबूजे को अपने डाइट प्लान में शामिल कर सकते हैं। वेट लॉस में कारगर- हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक वेट लॉस के लिए सिर्फ एक्सरसाइज करना काफी नहीं है, डाइट प्लान पर ध्यान देना भी जरूरी है। वजन घटाने के लिए खरबूजे का सेवन किया जा सकता है। क्या आपकी इम्यूनिटी कमजोर है जिसकी वजह से आप बार-बार बीमार पड़ते रहते हैं? अगर हां, तो आप



विटामिन सी रीच खरबूजे को रेगुलरली कंज्यूम कर अपने इम्यून सिस्टम को मजबूत बना सकते हैं। मिलेंगे फायदे ही फायदे- आपकी जानकारी के लिए बता दें कि खरबूजे में मौजूद तत्व ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में कारगर साबित हो सकते हैं। इसका मतलब ये है कि अगर खरबूजे की सही मात्रा में और सही तरीके से कंज्यूम किया जाए, तो आप अपने दिल की सेहत को मजबूत बना सकते हैं।

विटामिन सी रीच खरबूजे को रेगुलरली कंज्यूम कर अपने इम्यून सिस्टम को मजबूत बना सकते हैं। मिलेंगे फायदे ही फायदे- आपकी जानकारी के लिए बता दें कि खरबूजे में मौजूद तत्व ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में कारगर साबित हो सकते हैं। इसका मतलब ये है कि अगर खरबूजे की सही मात्रा में और सही तरीके से कंज्यूम किया जाए, तो आप अपने दिल की सेहत को मजबूत बना सकते हैं।

विटामिन सी रीच खरबूजे को रेगुलरली कंज्यूम कर अपने इम्यून सिस्टम को मजबूत बना सकते हैं। मिलेंगे फायदे ही फायदे- आपकी जानकारी के लिए बता दें कि खरबूजे में मौजूद तत्व ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में कारगर साबित हो सकते हैं। इसका मतलब ये है कि अगर खरबूजे की सही मात्रा में और सही तरीके से कंज्यूम किया जाए, तो आप अपने दिल की सेहत को मजबूत बना सकते हैं।

विटामिन सी रीच खरबूजे को रेगुलरली कंज्यूम कर अपने इम्यून सिस्टम को मजबूत बना सकते हैं। मिलेंगे फायदे ही फायदे- आपकी जानकारी के लिए बता दें कि खरबूजे में मौजूद तत्व ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में कारगर साबित हो सकते हैं। इसका मतलब ये है कि अगर खरबूजे की सही मात्रा में और सही तरीके से कंज्यूम किया जाए, तो आप अपने दिल की सेहत को मजबूत बना सकते हैं।

विटामिन सी रीच खरबूजे को रेगुलरली कंज्यूम कर अपने इम्यून सिस्टम को मजबूत बना सकते हैं। मिलेंगे फायदे ही फायदे- आपकी जानकारी के लिए बता दें कि खरबूजे में मौजूद तत्व ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में कारगर साबित हो सकते हैं। इसका मतलब ये है कि अगर खरबूजे की सही मात्रा में और सही तरीके से कंज्यूम किया जाए, तो आप अपने दिल की सेहत को मजबूत बना सकते हैं।

विटामिन सी रीच खरबूजे को रेगुलरली कंज्यूम कर अपने इम्यून सिस्टम को मजबूत बना सकते हैं। मिलेंगे फायदे ही फायदे- आपकी जानकारी के लिए बता दें कि खरबूजे में मौजूद तत्व ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में कारगर साबित हो सकते हैं। इसका मतलब ये है कि अगर खरबूजे की सही मात्रा में और सही तरीके से कंज्यूम किया जाए, तो आप अपने दिल की सेहत को मजबूत बना सकते हैं।

विटामिन सी रीच खरबूजे को रेगुलरली कंज्यूम कर अपने इम्यून सिस्टम को मजबूत बना सकते हैं। मिलेंगे फायदे ही फायदे- आपकी जानकारी के लिए बता दें कि खरबूजे में मौजूद तत्व ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में कारगर साबित हो सकते हैं। इसका मतलब ये है कि अगर खरबूजे की सही मात्रा में और सही तरीके से कंज्यूम किया जाए, तो आप अपने दिल की सेहत को मजबूत बना सकते हैं।

विटामिन सी रीच खरबूजे को रेगुलरली कंज्यूम कर अपने इम्यून सिस्टम को मजबूत बना सकते हैं। मिलेंगे फायदे ही फायदे- आपकी जानकारी के लिए बता दें कि खरबूजे में मौजूद तत्व ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में कारगर साबित हो सकते हैं। इसका मतलब ये है कि अगर खरबूजे की सही मात्रा में और सही तरीके से कंज्यूम किया जाए, तो आप अपने दिल की सेहत को मजबूत बना सकते हैं।

विटामिन सी रीच खरबूजे को रेगुलरली कंज्यूम कर अपने इम्यून सिस्टम को मजबूत बना सकते हैं। मिलेंगे फायदे ही फायदे- आपकी जानकारी के लिए बता दें कि खरबूजे में मौजूद तत्व ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में कारगर साबित हो सकते हैं। इसका मतलब ये है कि अगर खरबूजे की सही मात्रा में और सही तरीके से कंज्यूम किया जाए, तो आप अपने दिल की सेहत को मजबूत बना सकते हैं।

विटामिन सी रीच खरबूजे को रेगुलरली कंज्यूम कर अपने इम्यून सिस्टम को मजबूत बना सकते हैं। मिलेंगे फायदे ही फायदे- आपकी जानकारी के लिए बता दें कि खरबूजे में मौजूद तत्व ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में कारगर साबित हो सकते हैं। इसका मतलब ये है कि अगर खरबूजे की सही मात्रा में और सही तरीके से कंज्यूम किया जाए, तो आप अपने दिल की सेहत को मजबूत बना सकते हैं।

विटामिन सी रीच खरबूजे को रेगुलरली कंज्यूम कर अपने इम्यून सिस्टम को मजबूत बना सकते हैं। मिलेंगे फायदे ही फायदे- आपकी जानकारी के लिए बता दें कि खरबूजे में मौजूद तत्व ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में कारगर साबित हो सकते हैं। इसका मतलब ये है कि अगर खरबूजे की सही मात्रा में और सही तरीके से कंज्यूम किया जाए, तो आप अपने दिल की सेहत को मजबूत बना सकते हैं।

विटामिन सी रीच खरबूजे को रेगुलरली कंज्यूम कर अपने इम्यून सिस्टम को मजबूत बना सकते हैं। मिलेंगे फायदे ही फायदे- आपकी जानकारी के लिए बता दें कि खरबूजे में मौजूद तत्व ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में कारगर साबित हो सकते हैं। इसका मतलब ये है कि अगर खरबूजे की सही मात्रा में और सही तरीके से कंज्यूम किया जाए, तो आप अपने दिल की सेहत को मजबूत बना सकते हैं।

विटामिन सी रीच खरबूजे को रेगुलरली कंज्यूम कर अपने इम्यून सिस्टम को मजबूत बना सकते हैं। मिलेंगे फायदे ही फायदे- आपकी जानकारी के लिए बता दें कि खरबूजे में मौजूद तत्व ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में कारगर साबित हो सकते हैं। इसका मतलब ये है कि अगर खरबूजे की सही मात्रा में और सही तरीके से कंज्यूम किया जाए, तो आप अपने दिल की सेहत को मजबूत बना सकते हैं।

विटामिन सी रीच खरबूजे को रेगुलरली कंज्यूम कर अपने इम्यून सिस्टम को मजबूत बना सकते हैं। मिलेंगे फायदे ही फायदे- आपकी जानकारी के लिए बता दें कि खरबूजे में मौजूद तत्व ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में कारगर साबित हो सकते हैं। इसका मतलब ये है कि अगर खरबूजे की सही मात्रा में और सही तरीके से कंज्यूम किया जाए, तो आप अपने दिल की सेहत को मजबूत बना सकते हैं।

विटामिन सी रीच खरबूजे को रेगुलरली कंज्यूम कर अपने इम्यून सिस्टम को मजबूत बना सकते हैं। मिलेंगे फायदे ही फायदे- आपकी जानकारी के लिए बता दें कि खरबूजे में मौजूद तत्व ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में कारगर साबित हो सकते हैं। इसका मतलब ये है कि अगर खरबूजे की सही मात्रा में और सही तरीके से कंज्यूम किया जाए, तो आप अपने दिल की सेहत को मजबूत बना सकते हैं।

विटामिन सी रीच खरबूजे को रेगुलरली कंज्यूम कर अपने इम्यून सिस्टम को मजबूत बना सकते हैं। मिलेंगे फायदे ही फायदे- आपकी जानकारी के लिए बता दें कि खरबूजे में मौजूद तत्व ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में कारगर साबित हो सकते हैं। इसका मतलब ये है कि अगर खरबूजे की सही मात्रा में और सही तरीके से कंज्यूम किया जाए, तो आप अपने दिल की सेहत को मजबूत बना सकते हैं।

विटामिन सी रीच खरबूजे को रेगुलरली कंज्यूम कर अपने इम्यून सिस्टम को मजबूत बना सकते हैं। मिलेंगे फायदे ही फायदे- आपकी जानकारी के लिए बता दें कि खरबूजे में मौजूद तत्व ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में कारगर साबित हो सकते हैं। इसका मतलब ये है कि अगर खरबूजे की सही मात्रा में और सही तरीके से कंज्यूम किया जाए, तो आप अपने दिल की सेहत को मजबूत बना सकते हैं।

विटामिन सी रीच खरबूजे को रेगुलरली कंज्यूम कर अपने इम्यून सिस्टम को मजबूत बना सकते हैं। मिलेंगे फायदे ही फायदे- आपकी जानकारी के लिए बता दें कि खरबूजे में मौजूद तत्व ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में कारगर साबित हो सकते हैं। इसका मतलब ये है कि अगर खरबूजे की सही मात्रा में और सही तरीके से कंज्यूम किया जाए, तो आप अपने दिल की सेहत को मजबूत बना सकते हैं।

विटामिन सी रीच खरबूजे को रेगुलरली कंज्यूम कर अपने इम्यून सिस्टम को मजबूत बना सकते हैं। मिलेंगे फायदे ही फायदे- आपकी जानकारी के लिए बता दें कि खरबूजे में मौजूद तत्व ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में कारगर साबित हो सकते हैं। इसका मतलब ये है कि अगर खरबूजे की सही मात्रा में और सही तरीके से कंज्यूम किया जाए, तो आप अपने दिल की सेहत को मजबूत बना सकते हैं।

विटामिन सी रीच खरबूजे को रेगुलरली कंज्यूम कर अपने इम्यून सिस्टम को मजबूत बना सकते हैं। मिलेंगे फायदे ही फायदे- आपकी जानकारी के लिए बता दें कि खरबूजे में मौजूद तत्व ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में कारगर साबित हो सकते हैं। इसका मतलब ये है कि अगर खरबूजे की सही मात्रा में और सही तरीके से कंज्यूम किया जाए, तो आप अपने दिल की सेहत को मजबूत बना सकते हैं।

विटामिन सी रीच खरबूजे को रेगुलरली कंज्यूम कर अपने इम्यून सिस्टम को मजबूत बना सकते हैं। मिलेंगे फायदे ही फायदे- आपकी जानकारी के लिए बता दें कि खरबूजे में मौजूद तत्व ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में कारगर साबित हो सकते हैं। इसका मतलब ये है कि अगर खरबूजे की सही मात्रा में और सही तरीके से कंज्यूम किया जाए, तो आप अपने दिल की सेहत को मजबूत बना सकते हैं।

विटामिन सी रीच खरबूजे को रेगुलरली कंज्यूम कर अपने इम्यून सिस्टम को मजबूत बना सकते हैं। मिलेंगे फायदे ही फायदे- आपकी जानकारी के लिए बता दें कि खरबूजे में मौजूद तत्व ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में कारगर साबित हो सकते हैं। इसका मतलब ये है कि अगर खरबूजे की सही मात्रा में और सही तरीके से कंज्यूम किया जाए, तो आप अपने दिल की सेहत को मजबूत बना सकते हैं।

विटामिन सी रीच खरबूजे को रेगुलरली कंज्यूम कर अपने इम्यून सिस्टम को मजबूत बना सकते हैं। मिलेंगे फायदे ही फायदे- आपकी जानकारी के लिए बता दें कि खरबूजे में मौजूद तत्व ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में कारगर साबित हो सकते हैं। इसका मतलब ये है कि अगर खरबूजे की सही मात्रा में और सही तरीके से कंज्यूम किया जाए, तो आप अपने दिल की सेहत को मजबूत बना सकते हैं।

विटामिन सी रीच खरबूजे को रेगुलरली कंज्यूम कर अपने इम्यून सिस्टम को मजबूत बना सकते हैं। मिलेंगे फायदे ही फायदे- आपकी जानकारी के लिए बता दें कि खरबूजे में मौजूद तत्व ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में कारगर साबित हो सकते हैं। इसका मतलब ये है कि अगर खरबूजे की सही मात्रा में और सही तरीके से कंज्यूम किया जाए, तो आप अपने दिल की सेहत को मजबूत बना सकते हैं।

विटामिन सी रीच खरबूजे को रेगुलरली कंज्यूम कर अपने इम्यून सिस्टम को मजबूत बना सकते हैं। मिलेंगे फायदे ही फायदे- आपकी जानकारी के लिए बता दें कि खरबूजे में मौजूद तत्व ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में कारगर साबित हो सकते हैं। इसका मतलब ये है कि अगर खरबूजे की सही मात्रा में और सही तरीके से कंज्यूम किया जाए, तो आप अपने दिल की सेहत को मजबूत बना सकते हैं।

विटामिन सी रीच खरबूजे को रेगुलरली कंज्यूम कर अपने इम्यून सिस्टम को मजबूत बना सकते हैं। मिलेंगे फायदे ही फायदे- आपकी जानकारी के लिए बता दें कि खरबूजे में मौजूद तत्व ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में कारगर साबित हो सकते हैं। इसका मतलब ये है कि अगर खरबूजे की सही मात्रा में और सही तरीके से कंज्यूम किया जाए, तो आप अपने दिल की सेहत को मजबूत बना सकते हैं।

विटामिन सी रीच खरबूजे को रेगुलरली कंज्यूम कर अपने इम्यून सिस्टम को मजबूत बना सकते हैं। मिलेंगे फायदे ही फायदे- आपकी जानकारी के लिए बता दें कि खरबूजे में मौजूद तत्व ब्ल



हुमा कुरैशी की चमक के कायल हुए हॉलीवुड निर्देशक जैक स्नाइडर, बताया बेहतरीन एक्ट्रेस

मशहूर हॉलीवुड निर्देशक जैक स्नाइडर ने अभिनेत्री हुमा कुरैशी की जमकर तारीफ की। उन्होंने हुमा को फिल्म 'आमी ऑफ द डेड' में काम करने वाले सबसे अच्छे कलाकारों में से एक बताया। जैक स्नाइडर ने मंगलवार को हुमा कुरैशी की तस्वीर इंस्टाग्राम पर पोस्ट की। इस पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'हुमा कुरैशी उन बेहतरीन अभिनेत्री में से एक हैं, जिनके साथ मुझे 'आमी ऑफ द डेड' में काम करने का अवसर मिला। टैलेंट, स्क्रीन पर मौजूदगी और जबरदस्त चमक थी।' मनोरंजन जगत के कलाकारों ने भी जैक के पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी। अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने लिखा, 'आप सबसे बढ़िया हैं... बॉस।' फराह खान ने लिखा, 'अरे वाह।' 'आमी ऑफ द डेड' स्नाइडर की बनाई एक कहानी पर आधारित है। फिल्म की कहानी कुछ सैनिकों के एक ग्रुप के इर्द-गिर्द घूमती है, जो जॉम्बी के कहर के दौरान लास वेगास के एक कस्बे में डकैती की योजना बनाते हैं। स्नाइडर ने 'आमी ऑफ द डेड' का आइडिया अपनी 2004 में आई पहली फिल्म 'डॉन ऑफ द डेड' की अगली कड़ी के तौर पर सोचा था। इस फिल्म में कई बड़े एक्टरों ने काम किया है, जिनमें डेव बॉतिस्ता, एला पनेल, ओमारी हार्डविक, एना डे ला रेग्नेरा, थियो रॉसी, मैथियास शेवोफर, नोरा अर्नेज्जर, हिरोयुकी सनाडा, टिंग नोटारो, राउल कैस्टिलो, हुमा कुरैशी और गैरेट डिलाहट शामिल हैं। अभिनेत्री हुमा कुरैशी जल्द ही 'टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप' में नजर आएंगी। गैंगस्टर एक्शन-ड्रामा है, जिसे गीतु मोहनदास ने डायरेक्ट किया है। यश ने खुद स्क्रिप्ट लिखी है और लीड रोल में हैं। फिल्म में नयनतारा, कियारा आडवाणी, हुमा कुरैशी, रुविमणी वसंत और तारा सुतारिया अहम किरदारों में नजर आएंगी। फिल्म की रिलीज पहले 19 मार्च 2026 को रिलीज किया जाना था, लेकिन केवियन प्रोडक्शंस और मॉन्स्टर माइज क्रिएशंस ने अपने प्रमुख डिस्ट्रीब्यूशन पार्टनर 'फार्स फिल्म' के परामर्श पर इसे वैश्विक स्तर पर स्थगित कर दिया था। अब फिल्म को 4 जून 2026 को प्रदर्शित किया जाएगा।

'क्वीन 2' में कंगना रनोट नजर आएंगी, अप्रैल के आखिर तक शुरू होगी शूटिंग

कंगना रनोट की फिल्म 'क्वीन' के सीक्वल की तैयारी शुरू हो गई है। रिपोर्ट में दावा किया गया कि कंगना और डायरेक्टर विकास बहल 'क्वीन 2' की शूटिंग अप्रैल के अंत तक शुरू करेंगे। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया कि फिल्म की कहानी पहली फिल्म का सीधा सीक्वल नहीं होगी, बल्कि यह खुद को खोजने और आत्मनिर्भरता के विषयों को दिखाएगी। इस बार कंगना का किरदार रानी छोटे शहर की नहीं, बल्कि शहर में रहने वाली लड़की होगी। कहानी में रानी एक ऐसी स्थिति का सामना करेंगी, जो उसे खुद को खोजने के सफर पर ले जाएगी। फिल्म में दिखाया जाएगा कि वह अपनी पहचान, समझ और हिम्मत से जिंदगी की मुश्किलों का सामना कैसे करती है। इस बार उसका सफर उसे भारत के अलग-

अलग शहरों में ले जाएगा। फिल्म में कंगना के अलावा पहली फिल्म के कलाकार जैसे राजकुमार राव और लीजा हेडन नजर नहीं आएंगे। बताया जा रहा है कि सपोर्टिंग रोल्स के लिए थिएटर कलाकारों को चुना गया है। शूटिंग की शुरुआत मुंबई के एक स्टूडियो में होगी, जहां उत्तर भारतीय शहर और रानी के घर के सेट तैयार किए जाएंगे। इसके बाद टीम अन्य मेट्रो शहरों में शूटिंग करेंगी। फिल्म की शूटिंग लगभग तीन महीने में पूरी की जाएगी। 'क्वीन' (2014) को फैंटम फिल्म्स और वायकॉम18 मोशन पिक्चर्स ने प्रोड्यूस किया था। फैंटम फिल्म्स के 2018 में बंद होने के बाद, 'क्वीन 2' को विकास बहल अपने बैनर तले बना रहे हैं। वे फिल्म के राइटर भी हैं। इस फिल्म के बाद कंगना रनोट 'तनु वेड्स मनु 3' की शूटिंग शुरू करेंगी, जिसका डायरेक्शन आनंद एल राय करेंगे।



पीरियड एक्शन ड्रामा फिल्म 'उग्रयुद्धम' में नजर आ सकती हैं सप्तमी गौड़ा

सप्तमी गौड़ा ने अपने करियर की शुरुआत डायरेक्टर सूरि की फिल्म 'पोपकॉन मंकी टाइगर' से की थी। इसके बाद उन्हें ऋषभ शेट्टी की फिल्म 'कातारा' से बड़ी पहचान मिली। इस फिल्म के बाद उन्होंने हिंदी और तेलुगु फिल्मों में भी काम करना शुरू कर दिया है। अब उनकी अगली फिल्म को लेकर बड़ी अपेक्षा सामने आ रही है।

500 साल पहले की कहानी पर होगी फिल्म एक्टर श्रीमुरली के साथ आने वाली पीरियड एक्शन ड्रामा फिल्म 'उग्रयुद्धम' में

नजर आ सकती हैं। फिलहाल इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन इंडस्ट्री सूत्रों के मुताबिक सप्तमी को इस फिल्म में फीमेल लीड के तौर पर कास्ट किया गया है। इस फिल्म को डेब्यू डायरेक्टर पुनीत रुदनाग डायरेक्ट कर रहे हैं, वहीं इसे जयाराम देवसमुद्रा सुख मूवीज के बैनर तले प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म बड़े स्तर पर बनाई जा रही है और इसमें इतिहास और फिक्शन देखने को मिलेगा। कहानी लगभग 500 साल पहले के समय पर आधारित बताई जा रही है।

श्रीमुरली ने 'उग्रयुद्धम' को बताया ड्रीम प्रोजेक्ट

यह पहली बार होगा जब सप्तमी गौड़ा और श्रीमुरली एक साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। श्रीमुरली ने 'उग्रयुद्धम' को अपना ड्रीम प्रोजेक्ट बताया है और अपने किरदार के लिए वह खास तैयारी भी कर रहे हैं। खबर है कि इस फिल्म में एक नए लुक में नजर आएंगे, जो फिल्म के ऐतिहासिक माहौल के मुताबिक होगा। फिलहाल सप्तमी के रोल को लेकर ज्यादा जानकारी अभी सामने नहीं आई है। हाल ही में 'द राजा ऑफ अशोक' में नजर आने के बाद 'उग्रयुद्धम' उनकी फिल्मों की लिस्ट में एक बड़ा प्रोजेक्ट मानी जा रही है। फिल्म की टैविनकल टीम में सिनेमैटोग्राफर संकेथ (मैसूर), आर्ट डायरेक्टर अमर और वीएफएक्स का काम निर्मल कुमार संभाल रहे हैं, जो 'सलार' में अपने काम के लिए जाने जाते हैं।

मैं ज्यादा स्क्रीन टाइम के लिए नहीं लड़ती, जो मौका मिलता है उसका फायदा उठाती हूं

एक्शन-क्राइम ड्रामा वेब सीरीज 'कप्तान' ओटीटी पर स्ट्रीम हो रही है। यह सीरीज ज्वालाबाद शहर में एसएसपी समरदीप सिंह की कहानी पर आधारित है। इसमें साकिब सलीम के अलावा सिद्धार्थ निगम, कविता कौशिक और अंजुम शर्मा जैसे मंझे हुए कलाकार नजर आ रहे हैं। सीरीज में कविता कौशिक ने डीएसपी प्रीत का रोल निभाया है, जो एक सख्त महिला पुलिस अधिकारी होती है। अभिनेत्री का कहना है कि उन्हें पुलिस के किरदार में ढलने में ज्यादा दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ा था। अभिनेत्री ने हाल ही में बातचीत की, जिसमें उन्होंने अपने किरदार के ढलने की प्रक्रिया पर जोर देते हुए कहा, 'मुझे अपने किरदार के लिए ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ी थी क्योंकि मेरा बैकग्राउंड ही पुलिस से जुड़ा हुआ है। मेरे पिता एक पुलिस अधिकारी थे। बचपन से हम उसी माहौल में बड़े हुए हैं। इसलिए यह भूमिका मेरे लिए स्वाभाविक लगी। चाहे चंद्रमुखी चौटाला का किरदार हो या फिर डीएसपी प्रीत, पुलिस वाली बात मेरी परफॉर्मेंस में अपने आप दिख जाती है। कविता ने आगे बातचीत में पूरी टीम की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा, 'हमारे पास बहुत अच्छा डायरेक्टर, शानदार प्रोड्यूसर्स और एक बेहतरीन प्लेटफॉर्म है। हमारी कास्ट भी कमाल की है। सब कुछ मुझे सही लगा था, यही कारण है कि सीरीज के लिए हां कहना बहुत आसान हो गया था।' अभिनेत्री

ने मुश्किल शूट के बारे में बात करते हुए कहा, 'सच कहूं, तो मुझे सीन शूट करने में दिक्कत नहीं हुई। अगर मैं मुश्किल कहूंगी तो यह अन्य कलाकारों के साथ नाइंसाफी होगी। वे बहुत कठिन हालात में भी फिट रहते हुए जबरदस्त एक्शन सीन कर रहे थे। उनका अनुशासन और समर्पण देखकर मैं प्रेरित हुई। मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा। मेरी भूमिका उनकी तुलना में काफी आरामदायक थी।' अक्सर पुलिस ड्रामा में महिला अधिकारियों को कम महत्व दिया जाता है। इस पर कविता ने बेबाकी से कहा, 'मैंने अपने करियर में कभी खुद को नजरअंदाज महसूस नहीं किया। मुझे जो मौका मिलता है, उसका पूरा फायदा उठाती हूं। मैं ज्यादा स्क्रीन टाइम के लिए नहीं लड़ती। मेरा फोकस अपने काम के असर पर रहता है।'



'रणबाली' से लेकर 'कॉकटेल 2' में नजर आएंगी रश्मिका मंदाना

शादी के बाद रश्मिका मंदाना कई बड़ी बजट की फिल्मों में नजर आने वाली हैं। इस लिस्ट में 'रणबाली' से लेकर 'एनिमल पार्क' और 'कॉकटेल 2' जैसी कई फिल्में शामिल हैं। इन फिल्मों में एक्शन, रोमांस और थ्रिलर देखने को मिलेगा। रश्मिका मंदाना इन सभी फिल्मों के जरिए अलग-अलग तरह के किरदार निभाने वाली हैं। दर्शक इन फिल्मों की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

'मैसा'

'मैसा' एक तेलुगु एक्शन ड्रामा फिल्म है। इसमें रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म में रश्मिका एक



जनजाति की संस्कृति और परंपराओं पर आधारित एक भावनात्मक एक्शन थ्रिलर है।

गोंड जनजाति की महिला का किरदार निभा रही हैं। उनका किरदार बहुत बेबाक, जोशीला, साहसी और मजबूत इच्छाशक्ति वाला है। इस फिल्म का निर्देशन रवींद्र पुल्ले कर रहे हैं। यह फिल्म गोंड

'रणबाली' एक तेलुगु फिल्म है। इसमें रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा मुख्य भूमिकाओं में हैं। विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना की शादी के बाद यह उनकी पहली फिल्म साथ में होगी। 'रणबाली' की कहानी 18वीं सदी की है। यह रायलसीमा क्षेत्र के एक बहादुर स्वतंत्रता सेनानी की कहानी है, जो ब्रिटिश राज के खिलाफ लड़ता है। रश्मिका इस फिल्म में विजय की पत्नी जयन्मा का किरदार निभा रही हैं।

'पुष्पा 3: द रैम्पेज'



एक्शन, रोमांस और रोमांच देखने को मिलेगा।

'पुष्पा 3: द रैम्पेज' सुपरहिट 'पुष्पा' सीरीज की तीसरी फिल्म है। रश्मिका मंदाना एक बार फिर श्रीवल्ली के रोल में वापसी करेंगी। अल्लू अर्जुन फिर से 'पुष्पा' के किरदार में नजर आएंगे। इस फिल्म में पिछले भागों से भी ज्यादा

AA22xA6

AA22xA6 एक तेलुगु फिल्म है। इसमें दीपिका पादुकोण और अल्लू अर्जुन साथ काम कर रहे हैं। फिल्म का निर्देशन प्रसिद्ध निर्देशक एटली कर रहे हैं। कहानी एक दिव्य योद्धा (अल्लू अर्जुन) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अराजकता से लड़ता है और पूरे ब्रह्मांड को बचाने का मिशन लेता है।

'एनिमल पार्क'

'एनिमल पार्क' 2023 की ब्लॉकबस्टर फिल्म

'एनिमल' की सीक्वल है। 'एनिमल पार्क' की शूटिंग 2027 में शुरू होने की उम्मीद है। इस फिल्म का निर्देशन संदीप रेड्डी वांगा कर रहे हैं। इसमें रणबीर कपूर दो हमशक्ल किरदारों में नजर आएंगे। रश्मिका मंदाना अपनी पिछली भूमिका गीताजलि (रणविजय सिंह की पत्नी) को फिर से निभाती नजर आएंगी।

'कॉकटेल 2'

'कॉकटेल 2' एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है। फिल्म 'कॉकटेल 2' में एक अनोखी और अलग तरह की प्रेम कहानी दिखाई जाएगी। रश्मिका मंदाना, शाहिद कपूर और कृति सेनन मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन होमी अदजानिया कर रहे हैं।



नगर पंचायत बेरला मे 1 करोड़ 21 लाख रुपये विकास कार्यों का हुआ भूमिपूजन

बेमेतरा। नगर पंचायत बेरला, में विभिन्न मदों से स्वीकृत विकास कार्यों के भूमिपूजन कार्यक्रम का आयोजन नगर पंचायत द्वारा किया गया, जिसमें क्षेत्रीय विधायक दीपेश साहू मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पंचायत अध्यक्ष विशाल राज देशलहरा ने किया। कार्यक्रम की शुरुवात सर्वप्रथम विधायक दीपेश साहू ने शीतला माता मंदिर मे पूजा कर आशीर्वाद प्राप्त कर क्षेत्रवासियों के शुभकामनायें के साथ की। तत्पश्चात विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना कर कुल 1 करोड़ 21 लाख रुपये के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया। जिसके अंतर्गत 15 प्रमुख कार्यों के लिए 1 करोड़ 21 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इन कार्यों में वार्ड क्रमांक 08 में शीतला तालाब महतारी घाट निर्माण, वार्ड क्रमांक 07 नवा तरिया महतारी घाट निर्माण, वार्ड क्रमांक 03/13 खेगा तालाब महतारी घाट निर्माण, वार्ड क्रमांक 03 में शनि मंदिर के पास मुक्तिधाम प्रतिकालय निर्माण, वार्ड क्रमांक 10 मड़ई मैदान कृष्णा मंदिर के पास हाट बाजार निर्माण, वार्ड क्रमांक 13 में सीसी रोड टॉप लेयर कार्य, वार्ड क्रमांक 7/8 सतनामी मोहल्ल में सीसी रोड टॉप लेयर, वार्ड क्रमांक 07 नवा तरिया से शिव मंदिर तक सीसी रोड निर्माण, वार्ड क्रमांक 10 में शिव मंदिर एवं कृष्ण मंदिर के आसपास सीसी रोड निर्माण, वार्ड क्रमांक 06 में विभिन्न स्थलों पर सीसी रोड निर्माण तथा वार्ड क्रमांक 09 में जय स्तंभ के पास हाईमास्क इसके अलावा नगर पंचायत के 4



विभिन्न स्थलों पर हाई मास्क लाइट की स्थापना जैसे महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं। इस अवसर पर विधायक दीपेश साहू ने नगर पंचायत प्रतिनिधियों एवं पापंदों की मांग पर शीतला मंदिर में ज्योति कक्ष एवं अतिरिक्त कक्षा निर्माण हेतु 10 लाख रुपये की घोषणा की, साथ ही एक सुलभ शौचालय निर्माण की भी घोषणा की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक दीपेश साहू ने कहा कि बेरला नगर पंचायत क्षेत्र के समग्र विकास के लिए वे निरंतर प्रतिबद्ध हैं और शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि अधोसंरचना के इन कार्यों से नगर के विभिन्न वार्डों में सड़क, तालाब, घाट, प्रकाश व्यवस्था एवं

सार्वजनिक सुविधाओं का विस्तार होगा, जिससे आमजन को सीधा लाभ मिलेगा और क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी। विधायक साहू ने कहा कि प्रदेश की सरकार और मुख्यमंत्री के नेतृत्व में ग्रामीण एवं शहरी विकास को प्राथमिकता दी जा रही है, और बेरला भी विकास के इस क्रम में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं नगरवासियों से अपील की कि वे विकास कार्यों में सहयोग करें तथा योजनाओं का सही उपयोग सुनिश्चित करें। अंत में विधायक साहू ने भरोसा दिलाया कि भविष्य में भी क्षेत्र के विकास के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे और किसी भी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी।

स्वच्छता को लेकर विशेष अपील

अपने संबोधन के अंत में विधायक दीपेश साहू ने समस्त बेरला नगर पंचायत वासियों से स्वच्छता बनाए रखने की विशेष अपील की। उन्होंने कहा कि हमें अपने गांव, मोहल्ले और घर-परिवार के आसपास स्वच्छता बनाए रखने की आदत विकसित करनी होगी। उन्होंने कहा, जब हमारा आसपास का वातावरण स्वच्छ और सुंदर होगा, तो हमारा मन भी सकारात्मक और स्वच्छ रहेगा, जिससे हम एक अच्छे समाज और राष्ट्र के निर्माण में योगदान दे सकेंगे। विधायक ने अपील करते हुए कहा कि गली-मोहल्लें, सड़कों, नालों, तालाबों और नदियों के आसपास सफाई रखें, कचरा इधर-उधर न फैलाएं और पॉलीथिन का उपयोग कर उसे सड़क किनारे न फेंकें। उन्होंने सभी नागरिकों से स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। इस दौरान उन्होंने क सराहनीय पहल की घोषणा भी की उन्होंने कहा की जो वार्ड सबसे स्वच्छता रहेगा मे सबसे आगे रहेगा उसको इनाम सहित विकास कार्यों की सौगात उनकी वार्डों सबसे ज्यादा दी जाएगी। कार्यक्रम मे विधायक प्रतिनिधि असुत लाल महेश्वरी नगर पंचायत उपाध्यक्ष संतोष साहू मण्डल अध्यक्ष डोमेन्द्र राजपूत राजू साहू सभापति शिवझड़ी सिन्हा मानक चतुर्वेदी यतिद्ध द्विवेदी कहैया सेन बलराम साहू बलराम सिंवारे उमा अनंत बलराम यादव मथुरा साहू पोखराज सोनी राजेश दुबे जयप्रकाश बघेल लेखराम साहू खेमराज साहू अजित कुमार वर्मा सीएमओ स्चिन गुप्ता सब इंजिनियर शशि प्रताप सहित नगर पंचायत के समस्त जनप्रतिनिधि गण अधिकारी कर्मचारी नगरवासी उपस्थित रहे।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी सीमा बख्शी ने किया बस स्टैंड परिसर एवं शौचालय का निरीक्षण



दल्लीराजहरा। मुख्य नगर पालिका अधिकारी सीमा बख्शी द्वारा स्वच्छता बनाए रखने के लिए नगर पालिका क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 24 में बस स्टैंड परिसर एवं शौचालय का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान शौचालय में सफाई, पानी की आपूर्ति, बिजली और प्रकाश व्यवस्था जायजा लिया।

बसेरा के ऊपर पानी टकी को साफ करवाया गया जिससे वार्ड वासियों एवं यात्रियों को शुद्ध पानी की प्राप्ति हो एवं पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कहा गया। निरीक्षण के दौरान राजस्व प्रभारी बुद्धिमान सिंह, स्वच्छता प्रभारी सतीश चंद्राकर, भंडार प्रभारी पं. कज चंद्राकर उपस्थित रहे।

उत्कर्ष योजना के अंतर्गत आवेदन आमंत्रित

बस्तीराजहरा। मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति तथा उच्चजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना 2026-27 के क्रियाव्यव अंतर्गत उत्कृष्ट आबसीय शिक्षण संस्थानों के इम्पेक्टफ्रेट हेतु 'रूचि की अभिव्यक्ति' आमंत्रित की गई है। आदिवासी विकास विभाग के सहयोग अयुक्त ने बताया कि मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति तथा उच्चजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना अंतर्गत अनुसूचित उच्चजाति एवं अनुसूचित जाति वर्ग के ग्रामीण प्रतिभावान विद्यार्थियों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना, बई चोच के साथ बेहतर कैरियर चयन का अस्तर प्रदान करते हुए प्रतिस्पर्धी बनाना तथा बहुमुखी व्यक्तित्व विकास के लिए अवसर प्रदान करना है। इस योजना अंतर्गत विद्यार्थी को कक्षा 6वीं से 12वीं तक छातीसगढ़ राज्य में स्थित उत्कृष्ट आबसीय विद्यालय को डिमांड ग्राफ़्टिफ़ाई मन्थ बुक की प्रतियुक्ति किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिते से संबंधित समस्त प्रस्ताव, सहयोग अयुक्त आदिवासी विकास विभाग कार्यालय में 23 अप्रैल को शाम 05 बजे तक जमा करना अनिवार्य है।

10 अप्रैल से खुलेगा मानव रहित समपार फाटक अंडर ब्रिज



दक्षीराजहरा। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल के दुर्ग दक्षीराजहरा सेक्शन में मानव रहित समपार फाटक डी.डी.- 39 किमी.- 910/3-4 सिकोसा-पिनकापर गेट के पास में रोड अंडर ब्रिज निर्माण

का कार्य पूर्ण हो गया है। इसे आम जनता के लिए 10 अप्रैल (सुबह 6:00 बजे) से रोड अंडर ब्रिज खोल दिया जायेगा एवं समपार फाटक (लेवल क्रॉसिंग) डी.डी.- 39 को स्थायी रूप से बंद कर दिया

जाएगा । इस संबंध में स्थानीय प्रशासन और रेल प्रशासन के मध्य सारी औपचारिकता पूर्ण कर ली गई हैं। रोड अंडर ब्रिज रेलवे और सड़क-दोनों के लिए सुरक्षित, तेज और आधुनिक समाधान है, जो आम जनता की सुविधा और क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। रोड अंडर ब्रिज बनने से रेलवे फाटक बंद होने की समस्या समाप्त हो जाती है, जिससे सड़क यातायात बिना रुके चलता रहता है। फाटक पर लंबा इंतजार नहीं करना पड़ता, जिससे यात्रियों और वाहन चालकों का समय बचता है। फाटक पार करते समय होने वाली दुर्घटनाओं की संभावना पूरी तरह खत्म हो जाती है। बार-बार फाटक बंद/खोलने की आवश्यकता नहीं होने से ट्रेनों का संचालन अधिक संरक्षा के साथ और समयबद्ध होता है।

शुद्ध के लिए युद्ध : विश्व स्वास्थ्य दिवस पर भ्रामक फूड विज्ञापनों के खिलाफ उठी कड़ी आवाज



सामान्य 200 मिलीलीटर पैक में 20 से 25 ग्राम तक शुगर पाई जाती है, जो एक व्यक्ति के पूरे दिन की सुर्क्षित सीमा के बराबर है। इसी प्रकार आइसक्रीम के नाम पर बिकने वाले कई उत्पाद वास्तव में फ़ोजन डेजर्ट हैं, जिनमें दूध के स्थान पर वनस्पति तेल और कृत्रिम तत्वों का उपयोग किया जाता है, लेकिन प्रस्तुतीकरण ऐसा होता है कि आम उपभोक्ता भ्रमित हो जाता है। उन्होंने इसे केवल व्यापारिक अनियमितता नहीं, बल्कि जनता के स्वास्थ्य के साथ गंभीर धोखा

बताया,इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ही देश की एकमात्र ऐसी राजनीतिक शक्ति है जो राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ कार्य करते हुए जनता को जनार्दन मानती है, और इसी भावना के तहत आम नागरिकों के स्वास्थ्य, अधिकार और सुरक्षा के लिए संघर्ष करना अपना कर्तव्य समझती है। चिकित्सा विशेषज्ञ डॉं भावना चंद्राकर का कहना है कि अत्यधिक शुगर और प्रोसेस्ड फूड का सेवन देश में तेजी से बढ़ रही बीमारियों का प्रमुख कारण बन रहा है, भारत में 10 करोड़ से अधिक

लोग मधुमेह से प्रभावित हैं, जबकि हर पांच में एक व्यक्ति मोटापे की समस्या से जूझ रहा है,हृदय रोग और फैटी लिवर जैसी बीमारियां भी तेजी से बढ़ रही हैं, विशेषकर बच्चों और युवाओं में इसका खतरा अधिक देखा जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य दिवस के संदर्भ में प्रज्ञा निर्वाणी ने विकसित देशों का उदाहरण देते हुए कहा कि ब्रिटेन, अमेरिका, चिली और यूरोपीय देशों में ऐसे उत्पादों पर कड़े नियम लागू हैं, जहां पैकेजिंग पर स्पष्ट चेतावनी, भ्रामक दावों पर प्रतिबंध और कंपनियों पर भारी दंड का

प्रावधान है, उन्होंने कहा कि भारत में भी उपभोक्ताओं को धम से बचाने के लिए इसी प्रकार की सख्त व्यवस्था लागू की जानी चाहिए। उन्होंने अपने पत्र में मांग की है कि जूस और आइसक्रीम शब्दों के उपयोग के लिए स्पष्ट और सख्त मानक तय किए जाएं, फ़ोजन 'डेजर्ट' और शुगर युक्त पेय पदार्थों को स्पष्ट रूप से चिह्नित किया जाए तथा पैकेजिंग पर अनिवार्य रूप से स्वास्थ्य चेतावनी अंकित की जाए। साथ ही भ्रामक विज्ञापन करने वाली कंपनियों के खिलाफ कड़ी दंडात्मक कार्रवाई करते हुए भारी जुर्माना एवं लाइसेंस निरस्तिकरण जैसे कदम उठाए जाएं। प्रज्ञा निर्वाणी ने कहा कि शुद्ध के लिए युद्ध की जंग आंदोलन का रूप दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह केवल एक अभियान नहीं, बल्कि देश की जनता के स्वास्थ्य और भविष्य की रक्षा का संकल्प है।

अब दलहन में आत्मनिर्भर बनेगा धमतरी, लोहरसी से हुई मजबूत शुरुआत

धमतरी। दलहन आत्मनिर्भरता मिशन अंतर्गत धमतरी जिले के ग्राम लोहरसी में किसानों को उड़द बीज का वितरण एवं तकनीकी मार्गदर्शन दिया गया। धमतरी में किसान धान के बदले रवि में फसल चक्र परिवर्तन अंतर्गत दलहन तिलहन की फसल अपना रहे हैं। इसके अलावा मसना और औषधि की खेती की और शुकाव होने लगा है। वे मसना और औषधि की खेती भी कर रहे हैं। इसके लिए कृषि विभाग के साथ जिला प्रशासन ने किसानों को प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। दालें सिर्फ एक कृषि उत्पाद नहीं हैं। वे भारत की पोषण सुरक्षा, मृदा स्वास्थ्य और ग्रामीण आजीविका का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। दुनिया में दालों के सबसे बड़े उत्पादक, उपभोक्ता और आयातक के रूप में, भारत की नीतियां लगातार इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में



उत्पादकता और स्थिरता बढ़ाने पर केंद्रित रही हैं। बढ़ती आय और संतुलित पोषण के प्रति बढ़ती जागरूकता के साथ, दालों की मांग लगातार बढ़ रही है, जिससे धरेलू उत्पादन बढ़ाने के अवसर पैदा हो रहे हैं। दालों का आर्थिक और व्यापारिक महत्व तो है ही, साथ ही ये पोषक

तत्वों का भी भंडार हैं। राष्ट्रीय पोषण संस्थान के अनुसार, भारतीय आहार में कुल प्रोटीन की मात्रा में इनका योगदान लगभग 20-25 प्रतिशत है। हालांकि, प्रति व्यक्ति दालों की खपत अनुशंसित 85 ग्राम प्रतिदिन से कम है, जिसके कारण देश भर में प्रोटीन-ऊर्जा कुपोषण की समस्या बढ़ रही है। इसलिए धरेलू उत्पादन बढ़ाना न केवल आर्थिक आवश्यकता है, बल्कि जन स्वास्थ्य में सुधार की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है। मालूम हो कि इस दोहरे महत्व को पहचानते हुए, भारत सरकार ने दलहन क्षेत्र को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया है। 11 अक्टूबर

2025 को नई दिल्ली स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान आईईआरआई में एक विशेष कृषि कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 11,440 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय के साथ दलहन आत्मनिर्भरता मिशन दलहन आत्मनिर्भरता मिशन का शुभारंभ किया था। इस कार्यक्रम के दौरान, प्रधानमंत्री ने दलहन की खेती में लगे किसानों से बातचीत भी थी और कृषि एवं सबद्ध क्षेत्रों में मूल्य श्रृंखला आधारित विकास को बढ़ावा देने के महत्व पर प्रकाश डाला था। उन्होंने इस बात पर बल दिया गया कि इस मिशन का उद्देश्य न केवल दलहन उत्पादन बढ़ाना है, बल्कि एक सतत और संशक भविष्य का निर्माण करना भी है। यह मिशन पोषण सुरक्षा और आत्मनिर्भरता प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

धमतरी। सामाजिक संवेदनशीलता और सहभागिता का एक उत्कृष्ट उदाहरण सामने आया, जब बेटी को उपहार गुप धमतरी के माध्यम से लालबगीचा वार्ड की बेटी हेमलता के विवाह पूर्व पारंपरिक झाला वारना एवं खोल भरने की रस्म सादगी और गरिमा के साथ संपन्न की गई। इस अवसर पर नवजीवन की मंगलकामनाओं के साथ बेटी को उपहार प्रदान कर आशीर्वाद दिया गया। कार्यक्रम में सदस्य नेहा गोयल ने घरवा रस्म निभाते हुए बेटी को नोज पिन एवं सुहाग सामग्री भेंट की तथा उसके चरण स्पर्श कर स्नेह और आशीष प्रदान किया। इस भावपूर्ण क्षण ने पूरे वातावरण को आत्मीय बना दिया। उल्लेखनीय है कि लगभग चार वर्ष पूर्व हेमलता की माता के आकस्मिक निधन के पश्चात उनके पिता प्रणज सेन को अपनी तीसरी छोटी पुत्री के पालन.पोषण एवं शिक्षा में अनेक



चुनौतियों का सामना करना पड़ा। ऐसे में जब हेमलता का विवाह एक अच्छे परिवार में तय हुआ तो एक ओर खुशी थी, वहीं दूसरी ओर उसे सुखपूर्वक विवाह करने की चिंता भी स्वाभाविक रूप से बनी हुई थी। परिजनों द्वारा परिस्थिति से अवगत कए जाने पर बेटी को उपहार गुप धमतरी के माध्यम

से सहयोग की पहल की गई जिसके अंतर्गत विवाह हेतु आवश्यक सामग्री, पोशाक एवं उपहारों की व्यवस्था की गई। इस अवसर पर रसीला बेन दुश्री, प्रभा रावत, सूर्या लुंकड़, रीता लुंकड़, कविता राठी, नेहा गोयल एवं डॉं सरिता दोशी ने पारंपरिक रस्मों का निर्वहन करते हुए बेटी को आशीर्वाद प्रदान

किया। कार्यक्रम में हेमलता की बुआ, कजिन एवं अन्य परिजन भी उपस्थित रहे। उन्होंने भावुक होकर प्राप्त सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर गुप की संरक्षक प्रभा रावत ने बताया कि संपर्क करने वाले परिवार की परिस्थितियों को समझते हुए, उनकी आवश्यकता के अनुरूप विवाह के लिए आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाता

है। साथ ही, एक सादगीपूर्ण कार्यक्रम के माध्यम से बेटी को शगुन स्वरूप सामग्री भेंट कर शुभकामनाएं दी जाती हैं। संयोजक डॉं सरिता दोशी ने बताया बेटी को उपहार गुप के माध्यम से वर्ष 2016 से प्रारंभ इस पहल के अंतर्गत यह 20वीं बेटी है, जिसके विवाह पूर्व यह परंपरा निभाई गई।

मिशन गांव चलो अभियान के तहत बूथ कमेटियों का गठन



सरायपाली। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर मिशन गाँव चलो अभियान के अंतर्गत संगठन को जमीनी स्तर तक संशक एवं सक्रिय बनाने हेतु व्यापक स्तर पर पंचायत एवं बूथ कमेटियों के गठन की प्रक्रिया निरंतर जारी है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मार्गदर्शन एवं जिलाध्यक्ष द्वारकाधीश यादव तथा विधायक चातुरी नंद के निर्देशन में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ग्रामीण के अध्यक्ष तेजराम पटेल के नेतृत्व में कांग्रेस की टीम गांव-गांव पहुंचकर संगठन को मजबूती प्रदान करने और कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपने का कार्य कर रही है। इसी क्रम में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सरायपाली ग्रामीण के अंतर्गत विभिन्न ग्राम पंचायतों में संगठन विस्तार का महत्वपूर्ण कार्य संपन्न किया गया। अभियान के तहत ग्राम कुटेला, जोगनीपाली, पंधी, बिलाईपट्ट, माधोपाली सहित जंगलबेड़ा, राजाडीह, भालुकोना, पजरपाली, गिधामुंडा, बेलडीह, सरायपाली, लमकेनी, तोषामांव, गोहरपाली, अर्तला, पंडापारा एवं तोरेसिंघा में पंचायत कमेटियों एवं बूथ कमेटियों का गठन किया गया। इस दौरान कांग्रेस पदाधिकारियों ने ग्रामीणों से संवाद स्थापित करते हुए संगठन की नीतियों एवं विचारधारा से अवगत कराया तथा अधिक से अधिक लोगों को कांग्रेस संगठन से जोड़ने का आह्वान किया। कार्यक्रम में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सरायपाली ग्रामीण के प्रमुख पदाधिकारी विजय नायक।

महापौर ने किया ग्राम रत्नाबांधा में विकास कार्यों का भव्य भूमिपूजन

महापौर रामू रोहरा के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ कार्यक्रम, कीर्तन मीनपाल के प्रयासों से संवर रहा ग्राम

धमतरी। रत्नाबांधा के शासकीय स्कूल परिसर में विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन कार्यक्रम पूरे हर्षोल्लस के साथ संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि धमतरी नगर निगम के महापौर रामू रोहरा थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं संचालन जनपद पंचायत धमतरी के सदस्य कीर्तन मीनपाल द्वारा किया गया। इस भव्य भूमिपूजन समारोह के साथ ही गांव में कुल 20 लाख रुपये की लागत से होने वाले महत्वपूर्ण निर्माण कार्यों का श्री गणेश हो गया है। कार्यक्रम के दौरान मुख्य रूप से दो प्रमुख विकास कार्यों की आधारशिला रखी गई। शासकीय स्कूल परिसर में 10 लाख रुपये की लागत से टीन शेड निर्माण कार्य एवं सड़क निर्माण राजेश मीनपाल के घर से पीजी कॉलेज रोड की ओर 10 लाख रुपये की लागत से सीसी रोड निर्माण कार्य शामिल है। मुख्य अतिथि रामू रोहरा महापौर धमतरी नगर निगम ने कार्यक्रम को संबोधित



करते हुए कहा, विकास एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और हमारी प्राथमिकता आम जनता तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाना है। हम रत्नाबांधा में शिक्षा और आवागमन की सुविधा को बेहतर बनाने के लिए आज जिन 20 लाख रुपये के कार्यों का भूमिपूजन हुआ है, वह मील का पत्थर साबित होगा। स्कूल में टीन शेड बनने से बच्चों को सुविधा होगी और सीसी रोड से ग्रामीणों का

आवागमन सुगम होगा। हम क्षेत्र के चहुंमुखी विकास के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। कीर्तन मीनपाल सदस्य जनपद पंचायत धमतरी ने कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा यह आप सभी ग्रामवासियों का आशीर्वाद ही है कि आज हमारा ग्राम रत्नाबांधा निरंतर संवर रहा है। चुनाव के समय जो संकल्प हमने लिए थे, उन्हें आज धरातल पर उतारने का काम किया जा रहा है।

शिक्षा के मंदिर का विकास और गांव की सड़कों का सुदृढ़ीकरण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। जनता के विश्वास और सहयोग से विकास की यह अवरिल धारा आगे भी इसी तरह बहती रहेगी। फकीरचंद वर्मा सरपंच ग्राम पंचायत रत्नाबांधा की ओर से खुशी जाहिर करते हुए सरपंच ने कहा पूरे ग्राम रत्नाबांधा के लिए हर्ष का विषय है। एक साथ 20 लाख रुपये के विकास कार्यों की सौगात



न्यायाधीश अरविंद कुमार वर्मा के सम्मान में विदाई समारोह

दुर्ग। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय में न्यायाधीश अरविंद कुमार वर्मा के 07 अप्रैल को सेवानिवृत्ति के अवसर पर उनके सम्मान में विदाई कार्यक्रम का आयोजन मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा के न्यायालय कक्ष में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर न्यायाधीश रमेश सिन्हा मुख्य न्यायाधीश छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर ने अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में न्यायाधीश अरविंद कुमार वर्मा के समग्र जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके विधिक ज्ञान, निष्पक्षता एवं प्रशासनिक दक्षता की सराहना एवं उनके योगदान की प्रशंसा करते हुए उनके भावी जीवन हेतु शुभकामनाएँ दी। मुख्य न्यायाधीश ने अभिव्यक्त किया कि न्यायाधीश अरविंद कुमार वर्मा का न्यायिक जीवन उत्कृष्टता, निष्ठा और न्याय के प्रति अटूट समर्पण से परिपूर्ण रहा है, वे अपने कार्यकाल के दौरान स्पष्टता, संतुलित दृष्टिकोण तथा विधि के शासन के प्रति समर्पण के लिए जाने जाते हैं और अपने सम्पूर्ण न्यायिक जीवन में न्यायाधीश अरविंद कुमार वर्मा अपनी शालीनता, अनुशासनात्मक दृष्टिकोण एवं संस्था के प्रति गहरे सम्मान के लिए विख्यात रहे हैं। उनके निर्णय न केवल विधिक विवेचन तक सीमित रहे, बल्कि उनमें न्याय की मानवीय समझ भी परिलक्षित होती रही है। मुख्य न्यायाधीश महोदय ने यह भी कहा कि उनके निर्णयों ने व्यवस्था को सुदृढ़ किया तथा उनका आचरण युवा न्यायिक अधिकारियों के लिए प्रेरणास्रोत बना और अपने



कार्यकाल में न्यायाधीश अरविंद कुमार वर्मा ने विधि के विभिन्न क्षेत्रों में अनेक उल्लेखनीय निर्णय दिए, कुल 9,800 से अधिक प्रकरणों का निराकरण किया, जिनमें 238 ए.एफ.आर. निर्णय भी सम्मिलित हैं, ये आंकड़े मात्र संख्यात्मक उपलब्धियाँ नहीं, बल्कि उनके न्यायिक दृष्टिकोण एवं संवैधानिक मूल्यों के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

न्यायाधीश अरविंद कुमार वर्मा ने अपने उद्बोधन में ईश्वर, मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा एवं समस्त माननीय न्यायाधीशगण, परिवार, न्यायिक

अधिकारीगण, सहयोगियों, अधिवक्ताओं एवं न्यायालय परिवार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए अपने कार्यकाल के अनुभव साझा किए।

उल्लेखनीय है कि, न्यायाधीश अरविंद कुमार वर्मा का जन्म 08 अप्रैल, 1964 को अंबिकापुर (छत्तीसगढ़) में हुआ, उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा शासकीय बहुउद्देश्यीय विद्यालय, अंबिकापुर से प्राप्त की, तत्पश्चात अंबिकापुर महाविद्यालय से स्नातक की उपाधि प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने शासकीय राजीव गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अंबिकापुर से विधि शिक्षा प्राप्त की। वर्ष 1994 में उन्होंने

व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-द्विहृ के रूप में न्यायिक सेवा प्रारंभ की। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने घरघोड़ा, राजनांदगांव, रायपुर, बिलासपुर और जगदलपुर में विभिन्न पदों पर कार्य किया एवं कॉमर्शियल कोर्ट के प्रथम न्यायाधीश के रूप में पदस्थ रहे हैं। उन्होंने जगदलपुर, बिलासपुर एवं रायपुर में जिला एवं सत्र न्यायाधीश के रूप में भी सेवाएँ प्रदान की।

न्यायाधीश अरविंद कुमार वर्मा ने उच्च न्यायालय में रजिस्ट्रार जनरल, रजिस्ट्रार न्यायिक एवं छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक अकादमी के अतिरिक्त निदेशक के पद पर प्रशासनिक दायित्वों का निर्वहन किया। दिनांक 23 जनवरी 2024 को वे उच्च न्यायालय के न्यायाधीश नियुक्त हुए तथा 12 दिसंबर 2025 को स्थायी न्यायाधीश के रूप में शपथ ग्रहण किया।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के समस्त माननीय न्यायाधीशगण, न्यायाधीश अरविंद कुमार वर्मा के परिवार के सदस्यगण, महाधिवक्ता, अध्यक्ष उच्च न्यायालय अधिवक्ता संघ, डिप्टी सॉलिसिटर जनरल, वरिष्ठ अधिवक्तागण, अधिवक्तागण, प्रमुख विधि विधि एवं विधायी कार्य विभाग, रजिस्ट्रार जनरल, रजिस्ट्री, न्यायिक अकादमी, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के न्यायिक अधिकारीगण, प्रशासन एवं पुलिस अधिकारीगण, उच्च न्यायालय के अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

निजी स्कूलों की मनमानी के खिलाफ फूटा पालकों का गुर्रसा, शासन से हस्तक्षेप की मांग



अभिभावकों की जेब पर डकैती: इस और सिलेबस बदलने से मध्यमवर्गीय परिवार परेशान

दुर्ग। शहर के निजी स्कूलों में व्याप्त अनियमितताओं को लेकर अभिभावकों में भारी आक्रोश है। पालकों का कहना है कि स्कूल प्रबंधन अब विद्या के मंदिर को व्यवसाय का केंद्र बना चुके हैं। हर साल सिलेबस और लेखक बदलने से पिछले साल की किताबें किसी काम की नहीं रहती। इसके कारण न तो छोटे भाई-बहन उन किताबों का

उपयोग कर पाते हैं और न ही उन्हें किसी और को दिया जा सकता है। अभिभावकों के बड़े सवाल-क्यों हर साल प्रकाशक बदले जाते हैं जबकि विषय वही रहते हैं? क्या शिक्षा विभाग का इन निजी संस्थानों पर कोई नियंत्रण नहीं है? आखिर क्यों प्रशासन इन स्कूलों को हथक्षेत्रज्ञ या स्पेक्षेत्रज्ञ की पुस्तकें चलाने के लिए बाध्य नहीं करता? पालकों ने चेतावनी दी है कि यदि जिला प्रशासन और छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा विभाग ने इस पर जल्द कड़े कदम नहीं उठाए, तो वे उग्र आंदोलन को मजबूर होंगे।

नारधी में राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता सम्पन्न, बंजारी टीम ने मारी बाजी

अम्नेश्वर। पाटन विकासखंड के ग्राम नारधी में छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और शानदार खेल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में बंजारी की टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं अर्जुन मंडल भिलाई की टीम द्वितीय स्थान पर रही तथा उड्डई की टीम ने तृतीय स्थान हासिल किया। चतुर्थ स्थान पर उत्साही मंडल भिलाई की टीम रही। पुरस्कार वितरण समारोह में उपस्थित अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि कबड्डी हमारी पारंपरिक खेल होने के साथ-साथ राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय



स्तर पर पहचान बना चुकी है। उन्होंने कहा कि खेल में केवल हार-जीत ही नहीं होती, बल्कि इससे शारीरिक एवं मानसिक क्षमताओं का भी विकास होता है। इस अवसर

पर पूर्व जनपद सदस्य डॉ. धनश्याम कौशिक, उपसरपंच ललित साहू, प्रेम बिहारी साहू, खोमन साहू, धर्मेन्द्र बखोर सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

मोतीपुर के सूने मकान में 8 लाख की चोरी, अमलेश्वर पुलिस ने तीन शातिरों को दबोचा



चोरी के पैसों से खरीदी थी नई स्कूटी, 54 ग्राम सोना और चांदी के जेवर बरामद

दुर्ग। अमलेश्वर/ग्राम मोतीपुर में एक सूने मकान को निशाना बनाने वाले संगठित चोर गिरोह का अमलेश्वर पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है। पुलिस ने मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से सोने-चांदी के जेवर, नकदी और मोबाइल सहित कुल 8,22,480

रुपये की संपत्ति बरामद की है। पकड़े गए आरोपियों ने चोरी की रकम से एक नई स्कूटी भी खरीद ली थी, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया है।

ताला तोड़कर साफ कर दिया था घर-पुलिस में मिली जानकारी के अनुसार, पीड़ित परिवार 25 से 29 जनवरी के बीच घर से बाहर गया था। इस दौरान अज्ञात चोरों ने सूने मकान का ताला तोड़कर आलमारी में रखे कीमती जेवरत और नकदी पार कर दी थी। घर



लौटने पर वारदात का पता चला, जिसकी रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई गई थी।

तकनीकी साक्ष्यों से खुला राज- मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिरों का जाल बिछाया। जांच के दौरान पुलिस को संदिग्धों के बारे में सूचना मिली, जिसके बाद घेराबंदी कर खिलेरा दाम मानिकपुरी और भुनेश्वर उर्फ नानू यादव को हिरासत में लिया गया। कड़ी पृष्ठताछ में दोनों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया।

चोरी का माल खपाने वाला भी गिरफ्तार- पृष्ठताछ में मुख्य आरोपी खिलेश दाम ने बताया कि उसने अपने साथी भुनेश्वर के

साथ मिलकर चोरी की थी। चोरी किए गए जेवर उन्होंने तुलेश्वर सोनकर उर्फ टिहू को बेचने के लिए दिए थे। पुलिस ने तुलेश्वर को भी गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों की निशानदेही पर 54 ग्राम सोना, 513 ग्राम चांदी, नकदी, मोबाइल फोन, घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल और चोरी के पैसों से खरीदी गई नई स्कूटी बरामद की गई है।

पुलिस की अपील- अमलेश्वर पुलिस ने क्षेत्र के नागरिकों से अपील की है कि जब भी लंबे समय के लिए घर से बाहर जाएं, तो इसकी सूचना पास के थाने या पड़ोसियों को जरूर दें और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रखें।

50 साल का बसेरा, अब उजाड़ने की तैयारी? बिना व्यवस्थापन सड़क निर्माण पर भड़के रहवासी

बिना पुनर्वास आई.आई.टी. पहुंच मार्ग के चौड़ीकरण का विरोध, प्रभावितों ने की व्यवस्थापन की मांग

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के अंतर्गत स्मृति नगर पेट्रोल पंप से जुनवाली, खरघोड़ा होते हुए आई.आई.टी. भिलाई तक बनने वाले प्रस्तावित पहुंच मार्ग के चौड़ीकरण को लेकर विवाद गहरा गया है। लोक निर्माण विभाग (PWD) द्वारा सड़क के दोनों ओर किए जाने वाले इस चौड़ीकरण से वार्ड क्रमांक 01 के सैकड़ों रहवासी प्रभावित हो रहे हैं। प्रभावितों ने स्पष्ट किया है कि बिना उचित व्यवस्थापन और पुनर्वास के वे अपनी जगह खाली नहीं करेंगे।

50 वर्षों से काबिज हैं परिवार- प्रभावित क्षेत्र के निवासियों का कहना है कि वे यहाँ पिछले 50 से अधिक वर्षों से निवास कर रहे हैं। जिस समय यह क्षेत्र विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण (SADA) के अधीन ग्रामीण क्षेत्र में आता था, तब से यहाँ आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोग अपने छोटे-छोटे आशियाने और दुकानें बनाकर जीवनयापन कर रहे हैं। अब अचानक बिना किसी



वैकल्पिक व्यवस्था के बेदखली के नोटिस से उनके सामने जीवन यापन का संकट खड़ा हो गया है।

व्यवस्थापन के बाद ही कार्य शुरू करने की मांग- रहवासियों ने अनुविभागीय अधिकारी, लोक निर्माण विभाग (उप संभाग क्रमांक 2, दुर्ग) से मांग की है कि सड़क निर्माण की प्रक्रिया शुरू करने से पहले नियमानुसार प्रभावितों के व्यवस्थापन की प्रक्रिया पूर्ण की जाए। लोगों का कहना है कि वे विकास के विरोधी नहीं हैं, लेकिन दशकों से बसे परिवारों को बेघर करना

न्यायोचित नहीं है। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग पर मार- वार्ड क्रमांक 01 के रहवासियों ने बताया कि यहाँ रहने वाले अधिकांश लोग दिहाड़ी मजदूर या छोटे दुकानदार हैं। यदि बिना किसी ठोस पुनर्वास नीति के क्रमांक 2, दुर्ग) से मांग की है कि सड़क स्थिति पूरी तरह चरमरा जाएगी। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और प्रशासन से इस विषय में हस्तक्षेप कर मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए उचित कार्रवाई की अपील की गई है।

चंद्रनाहू कुर्मी समाज का हुआ शपथ ग्रहण समारोह

बेमेतरा राज के अंतर्गत उपक्षेत्र कोयलारी-कृतबांधा में हुआ कार्यक्रम



बेमेतरा। चंद्रनाहू (चंद्रकर) कुर्मी क्षत्रिय समाज बेमेतरा राज के उपक्षेत्र कोयलारी के अंतर्गत नव निर्वाचित पदाधिकारी का शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में अयोध्या चंद्रकर (अध्यक्ष बेमेतरा राज) एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में नरेश चंद्रकर (केंद्रीय संगठन मंत्री) सहित गेंदुराम चंद्रकर, गोरेलाल चंद्रकर, भूषेन्द्र चंद्रकर, गिरधर चंद्रकर, गोरेलाल चंद्रकर, धनीराम चंद्रकर उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता तुलसीराम चंद्रकर (अध्यक्ष उपक्षेत्र कोयलारी) के द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान नवनिर्वाचित पदाधिकारी का शपथ ग्रहण कराया गया। जिसमें निर्वाचित पदाधिकारी के रूप में मोंसमसे अध्यक्ष राजेन्द्र चंद्रकर उपाध्यक्ष शिवकुमार चंद्रकर सचिव धनू चंद्रकर कोषाध्यक्ष जगन्नाथ चंद्रकर संगठनमंत्री जकला चंद्रकर महिला प्रतिनिधि बिसमी/सतीष चंद्रकर राम बाई/पिछन चंद्रकर पुरुष प्रतिनिधि नरेश चंद्रकर नीलांबर चंद्रकर पलटन चंद्रकर ग्राम झाई से लोकनाथ चंद्रकर छवि चंद्रकर भास्कर चंद्रकर कृष्णा चंद्रकर सिद्ध चंद्रकर चतुर चंद्रकर चोवा चंद्रकर राज प्रतिनिधि तुलसी राम चंद्रकर ने शपथ ग्रहण किए जिसमें कोयलारी उपक्षेत्र के ग्राम अमरको कोयलारी कृतबांधा पंचथीया चुचरंगपुर तमरुवा बानो मजगांव उडतला करसेरा तवरपुर कुछाँ सहित सभी ग्राम एवम् राज के पदाधिकारियों के उपस्थिति में संपन्न हुआ।

शहर क्षेत्र में मशीनों से चमकेगी सड़कें, निगम ला रहा हाईटेक सफाई व्यवस्था, स्वच्छ दुर्ग की ओर बड़ा कदम, मशीनीकृत सफाई से बदलेगी सड़कों की तस्वीर

शहर की सफाई में बड़ा बदलाव, अब मशीनों से होगी सड़कों की सफाई

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा शहर की स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक प्रभावित बनाने की दिशा में अहम कदम उठाया गया है। शहर में बढ़ते धूल प्रदूषण को नियंत्रित करने एवं वायु गुणवत्ता सुधारने के उद्देश्य से निगम द्वारा अत्याधुनिक मैकेनाइज्ड रोड स्वीपिंग मशीनों का उपयोग शुरू किया गया है।

महापौर अलका बाघमार ने दिखाई हरी झंडी, 2 मशीनों का हुआ शुभारंभ- आज महापौर अलका बाघमार ने लोक कर्म प्रभारी देवनारायण चंद्रकार, स्वास्थ्य विभाग प्रभारी नीलेश अग्रवाल, एमआईसी सदस्य ज्ञानेश्वर तापकर, पार्षद देव नारायण तांडी, अभियंता विनीता वर्मा, स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गा गुप्ता, कर्म शाला अधीक्षक शोयब अहमद सहित निगम के



अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति में विधिवत पूजा-अर्चना कर मैकेनाइज्ड रोड स्वीपिंग वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। वैक्यूम तकनीक से होगी धूल-मुक्त सफाई-यह अत्याधुनिक मशीन वैक्यूम वायु तकनीक पर आधारित है, जो सड़कों

पर जमा धूल, रेत एवं छोटे मलबे को प्रभावी ढंग से हटाती है। इससे न केवल सफाई बेहतर होगी, बल्कि धूल प्रदूषण में भी कमी आएगी। अब मुख्य सड़कों, चौड़ी सड़कों एवं कॉलोनिंगों में मैनुअल झाड़ू के स्थान पर मशीनों से सफाई की जाएगी। नगर निगम द्वारा 02 स्वीपिंग मशीनें क्रय की जा रही



हैं। यह पहल शहर को स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगी। गलियों में सफाई की जिम्मेदारी कर्मियों को जहां बड़ी मशीनें नहीं पहुंच पाएंगी, वहां की तंग गलियों एवं आंतरिक मार्गों की सफाई की जिम्मेदारी निगम के सफाई कर्मियों को दी जाएगी। इस व्यवस्था से पूरे शहर में संतुलित

और प्रभावी सफाई सुनिश्चित की जाएगी। शुभारंभ के दौरान महापौर ने कहा कि नगर निगम शहर को स्वच्छ, सुंदर और धूल मुक्त बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है। मशीनीकृत सफाई व्यवस्था से न केवल कार्य में तेजी आएगी, बल्कि नागरिकों को स्वच्छ वातावरण भी प्राप्त होगा।